डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 दिसंबर 2024 रविवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
# दोपहर मेट्रो

## सीएम यादव आज बुधनी, निवाड़ी और टीकमगढ के दौरे पर, 25 को आएंगे पीएम

# जनकल्याण पर्व का लेखा-जोखा परखेगी सरकार, सूबे में नई योजना भी लेंगी आकार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मप्र सरकार का जनकल्याण पर्व अब समापन की ओर है। सरकार, मंत्री और खुद मुख्यमंत्री मोहन यादव इसके चलते कई जिलो के दौरे कर रहे हैं। बताया जाता है कि एक पखवाडे के जनकल्याण पर्व में दौरान किये गये कार्यों,जनता की शिकायतों व उनके समाधान के प्रयासों का समूचा ब्यौरा भी मांगा जा रहा है और भोपाल में इसकी समीक्षा भी होगी। इस अभियान में सरकार का मुख्य फोकस सालभर की शासकीय कार्यक्रमों की उपलब्धि और भावी कार्यों की जानकारी देने पर था। प्रभारी मंत्रियों से भी इस बारे में समूची रिपोर्ट ली जाएगी। इसके बाद कुछ नईि योजना भी आकार ले सकती हैं। आज सीएम यादव निवाड़ी और टीकमगढ़ जिले के दौरे पर निकले हैं। वे निवाड़ी शहर के पीजी कॉलेज पहुंचें हैं। जहां पर जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया है। यहां वे लोगों को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह टीकमगढ़ जिले के बेरवार गांव के पास आयोजित किसान सम्मेलन और जनकल्याण शिविर में लोगों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री यादव करीब डेढ़ घंटे बेरवार गांव में रहेंगे। बताया जाता रहा है कि वे केन बेतवा लिंक परियोजना को लेकर लोगों से बात करेंगे। 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री इस परियोजना के सिलसिले में आ रहे हैं। इसके अलावा जनकल्याण शिविरों की प्रगति पर आवश्यक दिशा निर्देश देंगे। अभी जिले में जन जागरूकता सिविल लगाकर लोगों को केन बेतवा लिंक परियोजना से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी जा रही है। टीकमगढ में मुख्यमंत्री 25 दिसंबर को पीएम के आगमन को लेकर के लोगों को आमंत्रण देंगे और बताएंगे कि बुंदेलखंड में केन बेतवा लिंक परियोजना से क्या-क्या लाभ होंगे। आज टीकमगढ से शाम को खजुराहो पहुंचकर सीएम दिल्ली रवाना होंगे।

फाइल फोटो

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 20 वर्ष से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से चंबल एवं मालवांचल में खुशहाली आएगी। 70 हजार करोड़ रुपए लागत की इस परियोजना का निर्माण भी अब निर्बाध रूप से होगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना बुन्दलेखण्ड की जीवन रेखा साबित होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। धार्मिक क्षेत्र में भी विकास की अपार संभावना है। इसके लिए सरकार प्रयासरत है। तीर्थ क्षेत्रों के विकास के साथ सर्वसमाज एवं सर्वहरा वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

## बिल्डिंग हादसे में दो मौत, तीन मलबे में दबे

**मोहाली।** पंजाब के मोहाली में शनिवार शाम को गिरी मल्टीस्टोरी बिल्डिंग से आज एक और शव बरामद हुआ है। करीब 18 घंटे से एनडीआरएफ और आर्मी की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। इससे पहले रात में एक लड़की को निकाला गया था, जो जिंदा थी। हालांकि, अस्पताल में उसकी मौत गई। अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में 5 लोग दब गए थे। तीन के अब भी मलबे में दबे होने की सूचना है। जहां बिल्डिंग गिरी थी, उस साइट पर सीवर का पानी भर गया है जिससे लोगों के जिंदा रहने की उम्मीद कम है। हादसे में बच निकले जिम ट्रेनर ने बताया था कि बिल्डिंग के 3 फ्लोर में जिम थे, बाकी 2 में लोग किराए पर रहते थे।

## बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले रोहित हुए घायल

**मेलबर्न।** बॉक्सिंग-डे टेस्ट से पहले मेलबर्न में प्रैक्टिस सेशन के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बाएं पैर में चोट लग गई। उसके बाद वे बर्फ से सिकाई (आइस पैक) करते नजर आए। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी नहीं की। हालांकि, चोट गंभीर नहीं है। इस पर तेज गेंदबाज आकाश दीप ने कहा कि प्रैक्टिस सेशन में किसी न किसी खिलाड़ी को चोट लगती रहती है। रोहित की चोट गंभीर नहीं है। मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर 26 दिसंबर से बॉक्सिंग-डे टेस्ट खेला जाएगा। 5 मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबर है। आज ट्रेनिंग सेशन में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नेट्स में कप्तान रोहित को गेंदबाजी करते नजर आए।

## रविचंद्रन को पीएम की पाती..९९ की याद आएगी

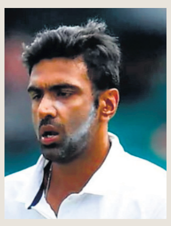

**नई दिल्ली।** क्रिकेट को अलविदा कहने वोले भारतीय स्पिनर रविंचद्रन अशिव्न को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पत्र लिखा और कहा कि आपको बेहतर सूझबूझ और त्याग के लिए जाना जाएगा। 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी गेंद पर आपके शॉट ने खूब तालियां बटोरी थीं। जिस तरह से आपने गेंद को छोड़ा। उसे वाइड बॉल बनने दिया, उससे आपकी सूझबूझ का पता चलता है। हम सभी को वह पल याद है, जब आपकी मां अस्पताल में भर्ती थीं। आपने मैदान में वापसी की। चेन्नई में जब बाढ़ की स्थिति थी और आप अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पा रहे थे। जिस तरह से आप साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते रहे, वे खेल के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब लोग जर्सी नंबर-99 की कमी को हमेशा महसूस करेंगे।

## पंजाब के 3 ननि में चली झाडू

**चंडीगढ।** पंजाब में शनिवार को हुए पांच नगर निगमों व 44 नगर परिषदों के मतदान के नतीजे आ गये हैं। पांच में से तीन नगर निगमों में आप काबिज होती दिख रही है। वहीं, कांग्रेस ने दो पर जीत हासिल कर ली है। जालंधर, लुधियाना और पटियाला में आप का मेयर बनना तय है। वहीं फगवाड़ा और अमृतसर कांग्रेस के हाथ आया है। इससे पहले इन सभी निगमों में कांग्रेस का कब्जा था। हालांकि जालंधर में आप बहुमत से पांच सीटें दूर रह गई है, लेकिन यहां मेयर उसी का होगा।

# चार दिन से छापेमारी जारी, मगर सच सामने आने का अभी इंतजार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राजधानी के रसूखदारों पर पडे छापों के बाद भी अभी अंतिम निष्कर्ष आना बाकी है। आयकर विभाग द्वारा राजधानी के तीन बिल्डर्स और कंस्ट्रक्शन कंपनियों के कारोबारियों के यहां जारी जांच के चार दिन बाद भी स्थिति पूरी तरह साफ नहीं हो है। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने में अभी दो से तीन दिन का समय और लग सकता है। वहीं लोकायुक्त छापों के बाद आईटी तक पहुंच रही सौरभ शर्मा पर छापों के कडी के बारे में भी माना जा रहा है कि जांच कई रहस्यों से पर्दा उठा सकती है। सौरभ किन उच्चपदस्थ लोगों के जरिये अपने काम को आपरेट कर रहा था यह भी सामने आना बाकी है। इन छापेमारी में कई किलो सोना,चांदी व करोडों रूपये बरामद हुए हैं। इस बीच, जांच में खुलासा हुआ कि त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के खास व्यक्ति और कारोबारी विश्वनाथ साहू के घर जब रेड पड़ी तो कड़ाके की ठंड के बावजूद वह सुबह-सुबह चड्डी-बनियान में ही भागे और तभी से गायब है। साहू के घर पर आयकर अधिकारियों की जांच चल रही है और उसके लौटने का इंतजार है ! बताया जाता है कि साहू के भागने के मिले सीसीटीवी फुटेज भी मिले हैं। ये फुटेज सार्वजनिक नहीं किए गए क्योंकि ये आयकर अधिकारियों द्वारा रिकॉर्ड नहीं किए गए थे। जांच में यह बात सामने आई कि साहू, त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के संचालक राजेश शर्मा का खास है और लेन-देन का काम देखता है। साहू की अपनी कंपनी भी है और वह जमीन के कारोबार में लिप्त है।

**चड्डी बनियान में भागा बिल्डर, आईफोन तोडा:**
बताते हैं जब आईटी की टीम बिल्डर रूपम सेवानी के घर पहुंची तो बमुश्किल दरवाजा तो खोला, लेकिन टीम के सामने ही अपने आईफोन में तोड़फोड़ कर उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। लोकायुक्त टीम को जयपुरिया स्कूल की बन रही बिल्डिंग से 40 पेटी पैक एलईडी टीवी मिलीं। सभी 43 इंच की हैं।सौरभ के ठिकानों से अब तक 7.98 करोड़ रुपए की संपत्ति बरामद की है। वह भोपाल के शाहपुरा में जयपुरिया स्कूल की फ्रेंचाइजी खोलने वाला था। उसके साझेदार के नाम रजिस्टर्ड कार में ही आयकर विभाग को 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए नकद मिला था।

## दुबई में परिवार समेत सौरभ, नाराज हुए मंत्री

आठ वर्ष पहले 2016 में परिवहन विभाग में अनुकंपा नियुक्ति पर भर्ती हुआ सौरभ शर्मा अब परिवार समेत दुबई में है। इधर ग्वालियर आए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सिंह जब सौरभ को लेकर सवाल किए गए तो वे मीडिया पर बिफर गए थे। इधर कांग्रेस ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की है।

# मैदानी पोस्टिंग पर पोस्ट से आईएएस अफसरों में हलचल

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

आईएएस अफसरों को मैदानी पोस्टिंग की बडी चाह होती है वे अधिकाधिक जिलों में कलेक्टर या कमिशनर बनने को उत्सुक रहते हैं। मगर भोपाल में जारी आईएएस सर्विस मीट में अफसरों के वॉट्सऐप ग्रुप सीधी भर्ती वाले अफसरों में पोस्टिंग को लेकर कुछ टिप्पणी चर्चा में हैं। खबरों के मुताबिक मप्र कैडर के आईएएस अफसर ज्ञानेश्वर पाटिल ने ग्रुप में जब एक पोस्ट में सीधी भर्ती के आईएएस अधिकारियों को 14 साल में चार साल की कलेक्टरी मिलने की बात कही और लिखा कि इससे उन्हें न सिर्फ फील्ड का नॉलेज मिल पाता है बल्कि उन्हें प्रदेश की सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीति स्थिति का भी पता चलता है। इस पर आईएएस नेहा मारव्या ने लिखा- दुख होता है कि जब इस मुद्दे पर चर्चा की जाती है। मुझे 14 साल की नौकरी में एक बार भी फील्ड पोस्टिंग नहीं मिली। साढ़े तीन साल मुझे पंचायत एवं ग्रामीण विकास में फिर ढाई साल से राजस्व विभाग में उप सचिव बिना काम के बनाया हुआ है। मैं सिर्फ ऑफिस आती हूं और चली जाती हूं। अकेले होने का दर्द अच्छे से समझ सकती हूं। मगर मैं अपने जूनियर्स की मदद करूंगी चाहें जहां रहूं।

## पुलिस परेशान, छात्र ही दे रहे थे स्कूल उड़ाने की धमकी !

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीते कई दिनों से राजधानी में लगातार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल से परेशान पुलिस व प्रशासन जांच में पाया है कि दिल्ली के कुछ स्कूलों में उसी स्कूल के छात्रों ने बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल भेजा। रोहिणी सेक्टर 13 स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल सहित तीन स्कूलों में भेजे गए ई-मेल की जांच में पता चला कि स्कूल के छात्रों ने ही धमकी भरे ई-मेल भेजे। ई-मेल की रोहिणी जिला साइबर सेल जांच के बाद पुलिस ने इसी स्कूल के सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र और उसकी बहन से पूछताछ की तो पता चला कि परीक्षा की तैयारी ठीक नहीं होने के कारण इन लोगों ने स्कूल में धमकी भरे ई-मेल भेजे थे। पुलिस ने दोनों की काउंसलिंग के बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया।

## उत्तरी राज्य सर्द, मप्र तक आहट

**भोपाल।** देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है और मप्र समेत मैदानी राज्यों तक असर पड सकता है। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इधर मप्र में कल शाम से ठंडी हवा की वापसी हुई है। जल्द ही प्रदेश में बारिश का सिस्टम एक्टिव हो रहा है। कल से कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इससे भोपाल, इंदौर-जबलपुर के साथ उज्जैन और ग्वालियर संभाग भी भींगेंगे। यह वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से होगा।

**मेट्रो एंकर**

## चिंता...मप्र का ग्रीन कवर 371 वर्ग किमी घटा

# केंद्र की फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में हुआ खुलासा, कम हो गया वन आवरण

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

हरियाली व जंगल के मामले में अव्वल राज्यों में शुमार मप्र के लिये अब चिंता की बात यह है कि फॉरेस्ट ग्रीन कवर 371.54 वर्ग किलोमीटर घट गया है। यह स्थिति अवैध कटाई, अतिक्रमण और आग की वजह से बनी है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र सिंह द्वारा जारी वर्ष 2023 की फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। यह फॉरेस्ट ग्रीन कवर वर्ष 2021 की तुलना में कम हुआ है। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट हर दो साल में जारी होती है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के 7,021.31 वर्ग किमी में बहुत घना जंगल, 33,508.64 वर्ग किमी में

सामान्य घना जंगल, 36,543.49 वर्ग किमी में खुला जंगल है। इस तरह कुल 77,073.44 वर्ग किलोमीटर में वन क्षेत्र है जिसमें वर्ष 2021 की रिपोर्ट की तुलना में 371.54 वर्ग किमी ग्रीन कवर में कमी आई है। हालांकि अन्य राज्यों की तुलना में मप्र की स्थिति कुछ श्रेणियों में अच्छी रही है। क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे अधिक वन एवं वृक्ष आवरण वाले शीर्ष तीन राज्यों में मध्य प्रदेश, अरुणाचल व महाराष्ट्र रहे हैं। इन राज्यों में क्रमशः 85,724, 67,083 और 65,383 वर्ग किमी वन एवं वृक्ष आवरण बढ़ा है। क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वनावरण वाले शीर्ष तीन राज्यों में भी मप्र ने जगह बनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश में 77,073 वर्ग किमी, अरुणाचल प्रदेश में 65,882 वर्ग किमी और छत्तीसगढ़ में 55,812 वर्ग किमी हैं।

### रिपोर्ट में दूसरे राज्यों की स्थिति

- देश में कुल वन और वृक्ष आवरण 8,27,357 वर्ग किमी है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 25.17 प्रतिशत है। वनावरण का क्षेत्रफल लगभग 7,15,343 वर्ग किमी (21.76 प्रतिशत) है जबकि वृक्ष आवरण का क्षेत्रफल 1,12,014 वर्ग किमी (3.41 प्रतिशत) है।
- 2021 की तुलना में देश के कुल वन और वृक्ष आवरण में 1445 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई। वनावरण में 156 वर्ग किमी और वृक्ष आवरण में 1289 वर्ग किमी बढ़ा।
- वन एवं वृक्ष आवरण में अधिकतम वृद्धि दर्शाने वाले शीर्ष चार राज्यों में छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान आगे रहे हैं। इनमें क्रमशः 684, 559, 559 और 394 वर्ग किमी वृद्धि हुई है।
- जबकि मिजोरम, गुजरात और ओडिशा में क्रमशः 242, 180 व 152 वर्ग किमी वनावरण की अधिकतम वृद्धि दर्ज हुई है।
- कुल भौगोलिक क्षेत्रफल की तुलना में वन आवरण के प्रतिशत की दृष्टि से, लक्षद्वीप (91.33 प्रतिशत) में सबसे अधिक वन आवरण है, जिसके बाद मिजोरम (85.34 प्रतिशत) और अंडमान एवं निकोबार द्वीप (81.62 प्रतिशत) का स्थान है।

# चाइनीज लहसुन से मप्र के किसान घाटे में बढ़ी बेचैनी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर विदेशों से आ रहे लहसुन से मप्र के किसानों पर पड़ रहे असर का जिक्र कर इस आयात को बंद कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि कई किसानों ने मध्यप्रदेश सहित सम्पूर्ण भारत में लहसुन तस्करों द्वारा मंडियों में चाइना का लहसुन आयात किये जाने की शिकायत उनसे भी की है। चाइना के लहसुन को मप्र में बिचौलियों द्वारा बेचे जाने से पूरे प्रदेश की मंडियों में लहसुन के भाव बहुत कम हो गये है, जिससे किसानों को घाटा उठाना पड़ रहा है। इस स्थिति पर आक्रोश व्यक्त करते हुए मालवा क्षेत्र में कई स्थानों पर धरना प्रदर्शन कर स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन दिए है। नीमच सहित पूरे प्रदेश में अवैध तरीके से अफगानिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और ईरान के रास्ते से चाइना का लहसुन आयात किया जा रहा है। चाइना का लहसुन भारत में प्रतिबंधित होने के बाद भी आयात हो रहा है। जिससे लहसुन की खेती किसानों के लिये मुनाफे की जगह घाटे का सौदा बन रही है।

# मप्र की लोक संस्कृति की प्रस्तुतियां

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बाल रंग समारोह का को रंगारंग उद्घाटन हुआ। पहले दिन राज्य स्तरीय साहित्यिक, संस्कृत योग, मदरसा निशक्तजन, लोक नृत्य एवं गायन वादन की प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। सुबह संचालक लोक शिक्षण डी एस कुशवाहा एवं निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय प्रोफेसर अमिताभ पांडे द्वारा बाल रंग कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद मध्यप्रदेश के 9 संभागों से आए हुए संभाग स्तरीय दलों ने अपने-अपने संभाग के कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग में लोक नृत्य की बहुत आकर्षक प्रस्तुत दी। भारत की सांस्कृतिक राजधानी मध्यप्रदेश में बरेदी बैगा, गौर, ठीमरयाई, गणगौर तथा गायकी नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां हुई। प्रथम दिवस मुख्य मंच पर समूचे मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक छठा देखते ही बनती थी।

# मप्र से 14 स्वयंसेवकों का दल होगा राष्ट्रीय एकता शिविर में शामिल

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय रा.से.यो क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल द्वारा राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन 21 से 27 दिसंबर तक लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान जिला ग्वालियर में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर की संगठक व्यवस्था में आयोजित किया जा रहा है। इसमें मध्यप्रदेश राज्य से 14 स्वयं सेवकों का दल शामिल होगा। साथ ही इस राष्ट्रीय एकता शिविर में देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राएं भी सहभागिता करेंगे। इस राष्ट्रीय शिविर हेतु बरकतउल्ला विश्वविद्यालय यूटीडी ( यू.आई.टी ) इकाई के वरिष्ठ स्वयंसेवक एवं स्टेट कैंपर निशांत उपाध्याय का चयन हुआ है, इस विशेष अवसर पर स्वयं सेवक निशांत उपाध्याय को इकाई के निदेशक प्रो. नीरज गौर, विभाग अध्यक्ष डॉ. सुनंदा मानके, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रोहित राजवैद्य, कैम्पस एम्बेसडर बीरबल परमार, यूनिट कैम्पर मोनू जाटव, मोहम्मद इखलाक, साहिल पटेल, एवं अन्य सभी स्वयं सेवकों द्वारा बधाई मंगल शुभकामनाएं दी।

# राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह का आयोजन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

भाभा विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी द्वारा राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा हैं। कुलगुरु डॉ दिलीप कुमार डे ने फीता काटके कार्यक्रम का उदघाटन किया एवम जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया । जिसमे फार्मेसी विभाग के छात्र छात्राओं ने नारे लगाकर समाज को स्वा स्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।इस अवसर पर फार्मेसी के डीन ने फार्मासिस्ट की समाज में क्या भूमिका होती है उसके बारे में बताया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. रीना शिंदे द्वारा किया गया।

# बड़ी राहत: जीजी फ्लाइओवर 26 दिसंबर से हो जाएगा शुरू

## सर्विस रोड हो चुकी प्रारंभ, ट्रैफिक से निजात

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

बोर्ड ऑफिस चौराहा से आगे एलआइसी भवन के सामने की सर्विस रोड शुरू हो गई है। वहीं जीजी फ्लाइओवर का औपचारिक शुभारंभ 26 दिसंबर को तय है। जीजी फ्लाइओवर के शुरू होने के बाद उम्मीद की जा रही है कि एमपी नगर में ट्रैफिक का भार 30 फीसदी तक घट जाएगा और जाम से निजात मिलेगी। पुराने शहर में जिंसी व जहांगीराबाद की ओर से प्रवेश करने वाले भी बिना एमपी नगर में जाए निकल जाएंगे।

### ब्रिज पर आईलैंड बनेगा, अरेरा पर रोटरी

ब्रिज से जुड़े कामों को 25 दिसंबर से पहले पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। ब्रिज पर अरेरा हिल्स व गायत्री मंदिर वाली ब्रांच पर ट्रैफिक को बांटने के लिए आईलैंड बनाया जाएगा। इसका काम जारी है। इसी तरह से अरेरा हिल्स की ओर क्रॉसिंग पर ट्रैफिक की आपसी भिड़ंत रोककर ब्रिज व इसके किनारे की रोड पर बढ़ाने रोटरी बनाई जा रही है।

### अब 140 फीट की रोड

जीजी फ्लाइओवर के साथ किनारे की सर्विस रोड पर आवाजाही की सुविधा मिली है। आमजन के लिए 120 फीट की रोड का इंतजाम हो गया है। वहीं नर्मदापुरम, अरेरा, दस नंबर की ओर से लेकर अरेरा की ओर जाने वाले सीधे ही निकल जाएंगे।

# संतजी की पुण्यतिथि पर सेवासदन में 102 रोगियों के नेत्र ऑपरेशन

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

प्रतिवर्ष परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के अवतरण दिवस ( 21 सितम्बर ) एवं पुण्यतिथि ( 21 दिसम्बर ) पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय निःशुल्क ऑपरेशन करता है। इस वर्ष भी महाप्रयाण दिवस पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में 102 रोगियों के मोतियाबिंद तथा अन्य प्रकार के नेत्र ऑपरेशन किये गये । इनमें 49 पुरूष तथा 53 महिला नेत्र रोगी शामिल है । अधिकत्तर नेत्र रोगी बा?ी एवं बरेली क्षेत्रों के थे । उल्लेखनीय है कि सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय अपने स्थापना वर्ष 1987 से अब तक लगभग 35 लाख व्यक्तियों के नेत्रों की जांच कर चुका है और लगभग 3.50 लाख नेत्र ऑपरेशन कर चुका है जिसमें 70 प्रतिशत ऑपरेशन निःशुल्क हैं । शीघ्र ही यह चिकित्सालय आसाराम बापू चौराहा, एयरपोर्ट रोड स्थित अपने विशाल भवन में स्थानान्तरित होगा जिसमें और अधिक नेत्र रोगियों की सेवा हो सकेगी ।

# नियम के बावजूद नहीं कराया स्थाईकर्मियों का बीमा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि नियम होने के बावजूद भी प्रदेश के अधिकारियों ने स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का बीमा सुविधा का लाभ नहीं दिया है कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि तत्काल प्रदेश के स्थाई कर्मीयों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का बीमा कराया जाए ताकि बीमा सुविधा का लाभ लाखों कर्मचारियों को प्राप्त हो सके। मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि लाखों स्थाई कर्मीयों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों एवं श्रमिकों का 20-20 साल की सेवा होने के बावजूद भी बीमा नहीं कराया है जिस कारण स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों श्रमिकों को बीमा सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है कर्मचारियों की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को बीमा राशि के भुगतान प्राप्त नहीं होता है

# मानव सेवा की राह पर चलने का फिर संकल्प लिया, संत हिरदारामजी का महानिर्वाण दिवस मना

**- कुटिया में सिद्धभाऊजी के सानिध्य में हुए कार्यक्रम**

**- भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की**

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

जरूरतमंदों की सेवा की राह पर चलने वाले पढ़ाने वाले संत स्वामी हिरदारामजी साहिब को उनके महाप्रयाण दिवस पर याद किया गया। संतनगर में धार्मिक एवं सेवा कार्य हुए। कुटिया में संत सिद्धभाऊजी के सानिध्य में पाठ साहिब का समापन हुआ। दिनभर कुटिया में नमन करने वालों का तांता लगा रहा। महाप्रयाण दिवस पर कुटिया में धाम में सुबह छह बजे से धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो गए थे। संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी के सानिध्य में तीन दिन से चल रहे संपद पाठ साहिब का समापन हवन के साथ हुआ। इसके बाद प्रसादी बांटी गई। सिद्धभाऊजी ने सेवाधारियों एवं कार्यकर्ताओं को और अधिक सेवा का संकल्प दिलाया। स्वामीजी के आदर्शों पर चलकर समाज जरूरत मंदों की सेवा की सीख दी।

**कुटिया पर लगी रहा तांता:** कुटिया पर संतजी को नमन करने के लिए आम और खास लोगों का तांता लगा रहा। मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय व अन्य विशिष्ठजनों ने पुष्पांजिल अर्पित की। सुबह 7 से शाम 7 बजे तक समाधि स्थल के द्वार खुले रहे। मिश्री का प्रसाद लेकर श्रद्धालु सेवा का संकल्प लेकर लौटे। कुटिया में मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी ने माथा टेका।

**हजारों ने ग्रहण की प्रसादी:** नवयुवक सभा भवन में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, सुबह 10 से रात 10 बजे तक चले भंडारे में हजारों संतनगर वासियों ने प्रसादी ग्रहण की। स्कूलों और निर्माणाधीन भवनों पर काम करने वाले मजदूरों, आश्रमों में प्रसादी पहुंचाई गई।

**गुलाब उद्यान में माल्यार्पण:** गुलाब उद्यान में स्थापित संत हिरदारामजी की प्रतिमा पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने माल्यार्पण किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी व अन्य विशिष्ठजनों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर सेवा का संकल्प दोहराया। शर्मा ने कुटिया ( सेवासंकल्प धाम ) में पहुंचकर पुष्पाजलि अर्पित की। शर्मा ने कहा, संतजी की मानवसेवा की राह हमेशा समाजसेवियों को मानव कल्याण के लिए प्रेरित करती रहेगी। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी भी मौजूद रहे।

**मेट्रो एंकर**

## संतनगर के स्कूलों, कॉलेजों में हुए कार्यक्रम

# समाजसेवियों ने बच्चों को पढ़ाया संतजी का सेवा पाठ

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।**

संत स्वामी हिरदारामजी के महाप्रयाण दिवस पर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए। शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने संतजी की सेवा की राह पर चलने का संकल्प लिया। हिरदाराम साहिबजी के महाप्रयाण दिवस पर मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही रामधुन का समवेत गान किया। संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी, संस्था के अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी ने कहा कि संत जी की दिव्यता को उनके सद्कार्यों के माध्यम से सदा स्मरण किया जाएगा। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संत चालीसा सिंधी में गाकर संतजी की महिमा का गान किया । विद्यार्थियों ने रामायण में से गुरू आधारित चौपाइयों का गान किया।

**सेवा की राह पर चलेंगे:** साधु वासवानी स्कूल स्वामी हिरदाराम जी को याद किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि संतजी ने जो सिमरन व समर्पण का मार्ग हमें दिखाया है उस मार्ग पर चलें और यह प्रण करें की हर दिन परमात्मा का सिमरन करेंगें और सेवा कार्य करेंगे। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, संतजी के अनुयायी अनिल चोटरानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, समाजसेवी चंद्रप्रकाश इसरानी, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी, समाजसेवी वासदेव वाधवानी ने संतजी के सेवा की राह पर चलने का संकल्प दोहराया। विद्यालय में जपु जी साहिब एवं सुखमनी पाठ

का समापन हुआ, शिक्षिकाओं ने आरती, अनंद साहिब, अरदास की।

**प्रार्थना सभा में नमन किया:** नवनिध स्कूल की प्रार्थना सभा में संत हिरदारामजी को नमन किया गया। सेवा की राह पर चलने का संकल्प छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दोहराया। प्राचार्य अमृता मोटवानी ने छात्राओं से कहा कि जीवन भर सेवा मार्ग पर चलना है। अच्छी बातों को अपनाकर जीवन में आगे बढ़ते रहना है। शिक्षिका शालिनी तलरेजा ने संतजी के जीवन को रेखांकितकिया।

**बच्चों ने नमन किया:** ंस्कार विद्यालय में हिरदारामजी के निर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी व अन्य पदाधिकारियों ने संतजी के सेवा भाव को नमन किया। शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने संतजी की सेवा की राह पर चलने का संकल्प दोहराया। संतजी के सेवा कार्यों को याद किया गया।

**सुखमनी पाठ साहिब:** लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में संत हिरदाराम साहिब जी का निर्वाण दिवस विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा सुखमनी पाठ साहिब एवं रामधुन का आयोजन किया। सुखमनी साहिब के पश्चात प्रसाद वितरण भी किया गया। अंत में रामधुन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआशाला सचिव रमेश हिंगोरानी एवं सभी विद्यालय के प्राचार्यों तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संतजी को नमन किया।

**भजन-कीर्तन, सामूहिक प्रार्थना:** संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में संतजी के निर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भजन-कीर्तन और सामूहिक प्रार्थना की गई। महाविद्यालय परिवार ने संत हिरदाराम जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और समाज कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

# खेलों का हब बनेगा मप्र, टीबी को जड़ से खत्म करेंगे : सीएम यादव

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मप्र को खेलों का नया हब बनाने और प्रदेश के कोने–कोने से टीबी को खत्म करने की घोषणा की है।

शनिवार रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित किये जा रहे खेल चेतना मेले के रजत जयंती समारोह में सीएम ने कहा है कि आजादी के बाद पहली बार हमने प्रदेश में खेलों के लिए 586 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया। हॉकी के लिए सर्वाधिक एस्ट्रोटर्फ बना रहे हैं। खेलों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। खेल शिक्षक भी असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर और कुलगुरु बन सकते हैं। सीएम ने रतलाम में हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ निर्माण, व्यवसाय को गति देने के लिए साड़ी क्लस्टर निर्माण की घोषणा की। कहा कि साड़ी क्लस्टर में महेश्वर, चंदेरी की तर्ज पर शहर में महिलाओं को साड़ी निर्माण से जोड़ा जाए। रतलाम के शासकीय लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में सभी प्रकार के हृदय संबंधी उपचार एवं ऑपरेशन के लिए कार्डियक ब्रांच स्थापित करने की घोषणा की। 15 करोड़ रुपए की लागत से एकीकृत स्पोर्ट्स कांपलेक्स के निर्माण का जिक्र किया।

### जन कल्याण पर्व के तहत मुख्यमंत्री ने की घोषणा

### मप्र को वर्ष 2025 में टीबी मुक्त प्रदेश बनाएंगे

सीएम ने कहा है कि मप्र में टीबी मुक्त अभियान के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जिला स्तर पर जरूरी निर्देश भी जारी किए हैं। प्रदेश को पूरी तरह टीबी मुक्त किया जाएगा। मप्र में 2 हजार से अधिक ऐसी ग्राम पंचायत हैं जो पूर्णतः टीबी मुक्त हो चुकी हैं। इस साल के अंत तक प्रदेश को पूर्ण रूप से टीबी मुक्त बनाएंगे। आगामी 26 जनवरी तक चलने वाले जनकल्याण अभियान में टीबी मुक्त बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ काम कर रहे हैं। असल में सीएम शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में 100 दिवसीय तीव्र टीबी उन्मूलन अभियान और टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए नई दिल्ली में हुई बैठक में वीसी से शामिल हुए थे।

## सीएम कल ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल करेंगे लांच

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

सीएम डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में प्रदेश की नई ड्रोन नीति पर एक दिवसीय विशेषज्ञ समूहों के प्रमुखों की चर्चा सोमवार को होगी। मुख्यमंत्री इसी दिन ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल (drone.mp.gov.in) लॉन्च करेंगे। आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होगा। सीएम भी प्रशासन और नागरिक सेवाओं के लिए ड्रोन तकनीक के बढ़ते उपयोग और राज्य को देश का ड्रोन हब बनाने पर विचार रखेंगे। मुख्य सचिव अनुराग जैन भी कार्यशाला को संबोधित करेंगे। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार लोक कल्याणकारी सेवाओं, नवाचार, उत्कृष्टता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए ड्रोन टेक्नालॉजी का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रोन सेक्टर के मिशन से प्रेरित होकर हमने ड्रोन क्षेत्र के लिए आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में सर्वे ऑफ इंडिया (एसओआई), डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय), केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारी, आईआईटी इंदौर, पुलिस, स्टार्टअप, ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया, नाबार्ड और मध्य प्रदेश सरकार के सभी विभागों के प्रमुख सहित ड्रोन इंडस्ट्री के प्रमुख आइडियाफोर्ज, एसटेरिया एयरोस्पेस, ड्रोन फेडेरेशन आदि के प्रमुख मौजूद रहेंगे।

## निटर भोपाल व रक्षा मंत्रालय के बीच तकनीकी और प्रशिक्षण सहयोग पर हुई चर्चा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

रक्षा मंत्रालय के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) की भोपाल इकाई के गुणवत्ता आश्वासन अधिकारी कमांडर कुलदीप एस नेहरा ने परस्पर सहयोग के लिए संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी से विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारा संस्थान मानव संसाधन को प्रशिक्षण देने के लिए समर्पित संस्थान है। हमारा संस्थान रक्षा क्षेत्र के कर्मचारियों हेतु सेवाकालीन शिक्षा, पूर्व शिक्षा और अनुभव की मान्यता, और विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। निटर भोपाल, रक्षा मंत्रालय के साथ किसी भी रूप में कार्य करने पर गर्व महसूस करेगा, और दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग से कई नई संभावनाएं उत्पन्न हो सकती हैं। कमांडर कुलदीप एस नेहरा ने निटर भोपाल के उत्कृष्टता केंद्र की इंडस्ट्री 4.0 प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया और संस्थान की अत्यधिक तकनीकी प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि निटर भोपाल डिफेंस के विभिन्न संस्थानों के साथ मिलकर कार्य कर सकता है और रक्षा क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्रदान करने में अहम भूमिका निभा सकता है। निटर भोपाल की उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी सुविधाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम रक्षा क्षेत्र की आधुनिक जरूरतों को पूरा करने में सहायक हो सकती हैं। निटर भोपाल और रक्षा मंत्रालय के बीच एक संभावित समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यु) पर भी चर्चा हुई, जो दोनों संस्थाओं के बीच भविष्य में सहयोग और साझेदारी के लिए एक औपचारिक समझौता स्थापित करेगा। इस अवसर पर निटर भोपाल के डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. मनीष भार्गव व मेजर निशांत ओझा भी उपस्थित थे।

## मेपकास्ट राष्ट्रीय गणित दिवस पर प्रदेश के 128 संस्थाओं में कराएगा कार्यक्रम

**भोपाल।** भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को सम्मानित करने और उनके योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के साथ संयुक्त रूप से राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन मध्यप्रदेश में किया जाएगा। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन 29 जिलों में किये जाने के लिए मेपकास्ट द्वारा 128 संस्थानों संस्थाओं का चयन किया गया है। यह आयोजन प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, वैज्ञानिक संस्थानों में किया जाएगा। आयोजित कार्यक्रमों में गणित से सम्बंधित रंगोली, पेंटिंग, क्विज, गणितीय अरोगामी, विशेषज्ञों द्वारा उद्बोधन एवं गणित में करियर बनाने हेतु मार्गदर्शन, भारतीय गणितज्ञों का योगदान, श्रीनिवास रामानुजन पर वृत्तचित्र, गणित पहेलियां, लर्निंग इत्यादि गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

**क्रिएटिव लर्निंग के माध्यम से रूचिकर बनाने का प्रयासः** इस अवसर पर मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि परिषद् प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को ब?ाने के लिए कृतसंकल्पित है। डीएसटी भारत सरकार की यह अभिनव योजना के माध्यम से प्रदेश के विद्यार्थियों को लाभ होगा। परिषद् गणित में शोध एवं विद्यालयीन छात्रों के लिए स्वयं करके देखो, क्रिएटिव लर्निंग के माध्यम से इसे रूचिकर बनाने और इसमें भविष्य बनाने हेतु प्रयासरत है। परिषद् द्वारा इस क्षेत्र में शोध अनुदान, ए आर, वी आर,उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा, ताकि गणित के शोध का व्यावसायिक अनुप्रयोग हो सके इससे गणित के क्षेत्रों जैसे डेटा विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और वित्तीय गणित में नवाचार को बढावा, गणितिक साहित्य और शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन में सहयोग जैसी गतिविधियों पर ज्यादा केन्द्रित होकर कार्य किया जायेगा।

## वन विभाग की टीम की बड़ी कार्यवाही

# मृत टाइगर के 4 में से एक दांत 3 आरोपियों से किए बरामद

**न्यायालय ने तीनों आरोपियों को जेल भेजा**

**सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो**

सिवनी मालवा वन मंडल के परिक्षेत्र बानापुरा की बीट बांसपानी के कक्ष क्रमांक आरएफ 433 में दिनांक 11 दिसंबर को वन अमले द्वारा गश्ती के दौरान जंगल में बाघ का शव मिला था। प्रकरण की जांच में डॉग स्क्वायड, मध्य प्रदेश टाइगर स्ट्राइक फोर्स की भी मदद ली गई थी वहीं बाघ की मृत्यु का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम एवं विसरा एकत्र करने के लिए NTCA के प्रोटोकॉल अनुसार कार्यवाही की गई थी। जांच के दौरान संदिग्ध पाए गए व्यक्तियों से पूछताछ और प्रकरण में प्राप्त साक्ष्यों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के बयान के आधार पर कैलाश पिता प्रेमलाल, जाति कोरकू, उम्र 33 वर्ष, रामरतन पिता राधेलाल, जाति कोरकू, उम्र 19 वर्ष, भूरा (परिवर्तित नाम), उम्र 16 वर्ष, सभी निवासी ग्राम बांसपानी, ग्राम पंचायत पीपलगोटा को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जिन्होंने 3 दिसंबर की रात को जंगली जानवर सूअर का शिकार करने के लिए बांसपानी-जाटामऊ रोड पर बिजली की लाइन से तार लगाकर लगभग 250 मीटर जंगल में अंदर तक खूंटिया गाड़कर करंट के लिए तार लगाए गए थे। बिजली के तारों में रात्रि के समय बाघ को करंट लगने से मौत हो गई थी। बाघ के शरीर से चार दांत और तीन नाखून मिसिंग थे इस दौरान वन विभाग की टीम लगातार आरोपियों की तलाश में थी।

वन परिक्षेत्र बानापुरा रेंजर जी,एस,पवार ने बताया की हमारे वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन पर टीम बनाकर कार्रवाई की जा रही है जिसमें शुक्रवार के दिन मुकेश,कमल और मंगल तीनों उसी गांव के है जिन्होंने पूछताछ के दौरान बताया कि घटना के दो रोज बाद मृत बाग के पास गए थे मुकेश और कमल ने मौके पर जाकर बाग के शरीर से एक दांत पत्थर से निकलना स्वीकार किया जो दांत निकलते समय चूर-चूर हो गया इन्होंने दांत निकाल कर अपने बड़े भाई मंगल को दे दिया मंगल ने दांत को पहले तो बाड़े में छुपाया था फिर जंगल में छुपा दिया। वन विभाग की टीम ने आरोपियो को जंगल ले जा कर एक टूटे दांत की बरामदी की गई हैं। तीनों आरोपियों को शनिवार के दिन न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। टाइगर के बाकी दांत और नाखून की भी तलाश की जा रही है जिसके लिए वन विभाग की टीम लगातार पूछताछ में जुटी हुई है। आरोपियों ने यह भी बताया है कि 5 तारीख के दिन जब यह लोग मृत टाइगर के पास पहुंचे थे पहले ही तीन दांत गायब थे। इसका मतलब यह है कि तीन दांत पहले ही उसके निकाल लिए गए थे।

# पृथ्वी की परिक्रमा करने 40 हजार किमी चलना पड़ेगा

**मढ़ई के होटल के प्रांगण से नाप ली पृथ्वी की परिधि की लंबाई**

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

आये तो थे टाईगर एवं अन्य वन्य प्राणियों से साक्षात्कार करने लेकिन अपनी जंगल सफारी करने के बाद पर्यटकों ने अपनी होटल के प्रांगण में एक स्थान पर ही रहकर पृथ्वी की परिधि की लंबाई माप ली। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू द्वारा मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल मढ़ई रिवर साईड लॉज प्रांगण में आयोजित प्रयोग में देश के विभिन्न राज्यों से पर्यटकों ने पृथ्वी की परिधि मापने के लिए 23 सौ साल पहले ग्रीक एस्ट्रोनॉमर इरेटोस्थेनीज के प्रयोग का इस्तेमाल किया। इससे पृथ्वी की परिधि का मान 40,696 किमी ज्ञात किया। जो कि वास्तविक मान 40,075 किमी के काफी करीब था। सारिका द्वारा आयोजित प्रयोग में सुबह 11.30 बजे 4 फीट के पाईप को सीधा खड़ा करके उसकी बनने वाली छाया की लंबाई को हर 5 मिनिट बाद मापा। 12.20 पर बनी सबसे छोटी छाया के कोण को चांदे की मदद से मापा गया। इस कोण और मकर रेखा से मढ़ई की दूरी के अनुपात की 360 डिग्री कोण तथा पृथ्वी की परिधि से तुलना की। सारिका ने बताया कि आज विटर सोलिस्टिस की खगोलीय घटना के दिन मकर रेखा पर सूर्य की किरणें ठीक लंबवत पड़ रही थी। तो वहां से 5,087 किमी की एयर डिस्टेंस पर जब मढ़ई में पाईप की छाया मापी गई तो कोण का मान लगभग 45 डिग्री मिला।

इस कोण और मकर रेखा की दूरी के अनुपात की गणना से बिना कदम बढ़ाये पर्यटकों ने पृथ्वी की परिधि की गणना की। पर्यटकों ने प्रयोग से जाना कि अगर पृथ्वी की परिक्रमा करने का पर्यटन करना हो तो चलना होगा 40,000 किमी से कुछ अधिक।

**कलेक्टर के फर्जी सील और हस्ताक्षर से हुई तीन रजिस्ट्री का मामला**

# सर्विस प्रोवाइडर पर एफआईआर दर्ज होने के विरोध में सेवा प्रदाताओं ने सौंपे ज्ञापन

**आशुतोष गुर्जर का नाम एफआईआर से निरस्त कराने की मांग की**

**सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो**

तहसील के ग्राम सीरूपुरा की आदिवासियों की भूमि की कलेक्टर के हस्ताक्षर और फर्जी सील से फर्जी रजिस्ट्री के मामले में सिवनी मालवा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में आए नाम के साथ सर्विस प्रोवाइडर आशुतोष गुर्जर का नाम भी है इसके खिलाफ शनिवार को सभी सेवा प्रदाताओं ने इकट्ठा होकर कलेक्टर और एसपी के नाम ज्ञापन एसडीएम और एसडीओपी को सौंपे।

ज्ञापन के माध्यम से सर्विस प्रोवाइडरों ने कहा है कि विक्रय पत्र के संबंध में क्रेता एवं विक्रेता विक्रय पत्र तैयार कराने हेतु सेवा प्रदाता आशुतोष गुर्जर के कार्यालय में अनुमति के साथ भूमि के दस्तावेज एवं क्रेता विक्रेता की आईडी लेकर उपस्थित हुए क्रेता और विक्रेताओं के व्दारा दिये गये सभी दस्तावेजों के आधार पर सेवा प्रदाता द्वारा विक्रय पत्र की ऑनलाईन कार्यवाही पूरी कर उपपंजीयक सिवनी मालवा के समक्ष स्लाट बुक कर प्रस्तुत किया गया।

उपपंजीयक ने सभी दस्तावेजों का अवलोकन कर संतुष्ट होने के बाद तीनों विक्रय पत्रों का पंजीयन किया गया है। आरोपी बनाये गये सेवा प्रदाता आशुतोष गुर्जर ने अपनी ओर से कोई भी दस्तावेज संलग्न नहीं किया और ना ही अपनी ओर से दस्तावेजों में कूट रचना कर संलग्न किया गया है ! बल्कि इस प्रकरण में कलेक्टर महोदय के आदेश व अनुमति की मूल प्रति, दोनों पक्ष द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेजों को उपपंजीयक को दिखाकर उनके संतुष्ट होने के पश्चात् विक्रय पत्र तैयार कर स्लाट बुक किया है। इसलिए इस प्रकरण में एक बार पुन विवेचना की जाकर सेवा प्रदाता आशुतोष गुर्जर का नाम एफआईआर से निरस्त कराया जाये।

# स्कूल में वार्षिक इवेंट लाइट आयोजित कई आकर्षक प्रतियोगिताएं हुई संपन्न

**बच्चों द्वारा आयोजित बाल मेला रहा आकर्षण का केंद्र**

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

नगर के सीनियर स्प्रिंगडेल्स स्कूल में वार्षिक इवेंट क्षितिज का आयोजन किया गया। जिसमें बताया गया कि आर्ट एग्जिबिशन एक ऐसा अवसर है जिसमें प्रतिभा की स्पष्ट प्रस्तुति, कलाकारों का अपने दर्शकों को संदेश देना व जागरूकता बढ़ाने और नया विचार साझा करने का अवसर देता है। इस प्रदर्शनी को आयोजित करने का उद्देश्य विद्यालय अध्ययनरत बाल कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करना है। कला भावनाओं को अनोखे ढंग से व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है. शनिवार को आयोजित वार्षिक इवेंट 'क्षितिज' के आयोजन में बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए 700 उत्कृष्ट पेंटिंग्स बनाई तथा 250 आकर्षक वॉल हैंगिंग्स प्रदर्शित किए साथ ही स्कूल के प्रत्येक स्थान को बच्चों ने अपने हाथ से बनी हुई कलाकृतियों से बड़े ही आकर्षक रूप में सजाया।

कार्यक्रम में उपस्थितअतिथियों ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा कि छात्रों द्वारा दिखाई गई रचनात्मकता और अभिव्यक्ति बेहद सराहनीय है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे स्कूलों के छात्र न केवल वर्तमान के ज्वलंत मुद्दों को समझते है बल्कि अपने कला के माध्यम से उसका सजीव चित्रण भी करते है। विद्यालय ने छात्रों को अपनी कलात्मक क्षमताओं का पता लगाने और अपने विचारों को प्रभावशाली कला रूपों में लाने के लिए एक मंच दिया प्रदान किया है। इस प्रदर्शनी ने न केवल बच्चों की प्रतिभा को उजागर किया है बल्कि इन बाल कलाकारों की रचनात्मकता और संजीदगी भरी सोच को भी बढ़ावा दिया है। स्प्रिंगडेल्स स्पेक्ट्रम के अंतर्गत अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जैसे- बाल मेला, वॉल हैंगिंग प्रतियोगिता, सोलो डांस प्रतियोगिता, सिंगिंग प्रतियोगिता, सलाद डेकोरेशन प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, फ्लावर डेकोरेशन प्रतियोगिता, कविता पाठ, मंत्र पाठ प्रतियोगित आदि। सभी प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में नर्मदापुरम के सम्माननीय जन शामिल थे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर विदा किया गया। निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें इसी तरह आगे बढ़ने की शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों का प्रिय बाल मेला रहा। इसमें बच्चों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टाल लगाए। कविता पाठ, मंत्र पाठ प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ अपनी मधुर जादुई आवाज, स्पष्ट उच्चारण, भाव भंगिमा से सभी के हृदय में अपना स्थान बना लिया। कार्यक्रम में संपूर्ण शाला परिवार उपस्थित रहा।

# जरूरतमंद लोगों को राष्ट्रीय महिला जागृति मंच करेगा गरम ऊनी कपड़ों का वितरण

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

शनिवार को राष्ट्रीय महिला जागृति मंच नर्मदापुरम शाखा की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि ठंड बहुत है इसलिये हम सब मिलकर स्लम एरिया में जाकर ऊनी कपड़े प्रदान करेंगें। गर्म कपड़ों की स्लम एरिया में रहने वाले लोगों को विशेष जरूरत होती है। मंच की अध्यक्ष नीरजा फौजदार ने कहा कि हमारी प्रत्येक संस्था प्रतिवर्ष यह कार्य अवश्य करती है। ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके। बैठक में अध्यक्ष नीरजा फौजदार, महामंत्री अनीता अरुण जैन, कार्याध्यक्ष रेखा गोयल, उपाध्यक्ष अंजना गोयल, उपाध्यक्ष जयंती जैन, कोषाध्यक्ष रीना रत्नेश जैन, सलाहकार अनीता आर एल जैन, शारदा जैन, सांस्कृतिक संयोजक मोनिषा जैन, उप सलाहकार रीति जैन भावना जैन, उषा गुप्ता आदि उपस्थित थीं। बैठक के अंत में अंजना गोयल एंव रीति जैन ने आभार माना।

# अयोध्यावासी वैश्य नगर सभा का हुआ गठन ,प्रदीप गुप्ता तीसरी बार बने वैश्य समाज के प्रवक्ता

**नर्मदापुरम।** गत दिवस अयोध्या वासी वैश्य नगर सभा का आयोजन राकेश गुप्ता के निज निवास पर किया गया । जिसकी अध्यक्षता मध्य प्रांतीय सभा के अध्यक्ष अशोक अंबर भोपाल की उपस्थिति में हुई। इस अवसर पर अयोध्या वासी वैश्य समाज की पत्रिका के प्रधान संपादक वी. पी. गुप्ता करेली , नरेश गुप्ता इटारसी भी उपस्थित रहे। जिनके मार्गदर्शन एवं नगर सभा के सभी सदस्यों की उपस्थिती में नगर सभा के लिये अध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता (पर्रादेह), कोषाध्यक्ष मौसम गुप्ता (लोहिया), मंत्री अंकुर गुप्ता एवं प्रचार मंत्री एवं प्रवक्ता प्रदीप गुप्ता को मनोनीत किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को सामाजिक लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी ने समाज के हित में कार्य करने की बात कही। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष प्रकाश गुप्ता, पंकज गुप्ता / राकेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, राजेश गुप्ता अज्जू, अभिषेक गुप्ता, नरेश गुप्ता, अशोक गुप्ता अंबर, सुरेश गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, दीपेश गुप्ता, मोहन गुप्ता, अंकुश गुप्ता, मौसम गुप्ता, राकेश गुप्ता पर्रादेह, उत्तम चंद्रगुप्त , राजू गुप्ता, सुषमा गुप्ता सामाजिक लोग उपस्थित रहे ।

**मेट्रो एंकर** दोपहर में रंगारंग संगीत के कार्यक्रम के बाद फाइनल शुरु होगा

# अखंड भारत, रॉयल राजपूत, विश्वकर्मा वॉरियर्स और विल्स क्लब में होगा महामुकाबला

**इटारसी, दोपहर मेट्रो**

आचार्य चाणक्य सर्वधर्म सद्भाव समिति के तत्वाधान में आचार्य चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में आज अखंड भारत निर्माता, रॉयल राजपूत, विश्वकर्मा वॉरियर्स और विल्स क्लब ने सेमीफाइनल के लिए टिकट पक्का कर लिया है। रविवार को सुबह फाइनल के दौड़ में पहुंचने के लिए इन चार टीमों के मध्य मुकाबले होंगे।

फाइनल मुकाबला दोपहर में खेला जाएगा। अंतिम लीग मैच सिंध क्लब सिंधी समाज और अखंड भारत निर्माता कुर्मी समाज के मध्य सुबह खेला गया, जिसमें अखंड भारत निर्माता ने 10 विकेट से जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा मैच क्वार्टर फाइनल था जिसे महावीर क्लब को हराकर रॉयल राजपूत ने जीतकर सेमीफाइनल की टिकट पक्की की। तीसरे मैच में किंग्स इलेवन सिख समाज को अखंड भारत निर्माता ने 7 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी तरह से बिरसा मुंडा क्लब और विल्स क्लब के मध्य खेले मुकाबले में विल्स क्लब ने जीत हासिल की। विश्वकर्मा वॉरियर्स और भारतीय क्लब मुस्लिम समाज के मध्य खेला मैच रोमांचक रहा और जीत आयी विश्वकर्मा वॉरियर्स की झोली में।

अंतिम मैच के पूर्व दोपहर में दर्शकों के लिए देशभक्ति गीतों का एक कार्यक्रम आयोजित किया। संयोजक जितेन्द्र ओझा ने बताया कि सामाजिक सद्भाव के लिए आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय भावना के लिए यह आयोजन किया।

देशभक्ति गीतों के कार्यक्रम का संयोजक मोहम्मद अकरम ने किया। गायिका राधिका राणे, वंदना चौरे, अफसर अली, आस्तिक ओझा और स्वयं जितेन्द्र ओझा ने भी देशभक्ति गीत गाए।

# स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय मिश्रा की स्मृति में फुटबॉल प्रतियोगिता प्रारंभ..

**नर्मदापुरम।** पैरामाउंट क्लब द्वारा आयोजित स्वर्गीय पंडित अश्विनी कुमार मिश्रा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की स्मृति में फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतुल सेठा की उपस्थिति में हुआ. मुख्य अतिथि श्री सेठा एवं अनुराग मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फुटबॉल मैच प्रारंभ कराया। शनिवार को हुए मैच में पहला मैच अंडर 14 का खेला गया इस मैच में रेलवे बॉयज इटारसी ने पैरामाउंट की बी टीम को 2-0 से हराया, दूसरा मैच अंडर 17 का सोम क्लब और रेलवे बॉयज के बीच खेला गया। इसमें रेलवे बॉयस ने सोम क्लब को पेनाल्टी शूटआउट में हराया। तीसरा मैच अंडर 14 का नर्मदा अकैडमी एवं फाइटर क्लब के बीच खेला गया, यह मैच गोल रहित रहा। चौथा मैच सीनियर वर्ग में एसपीएम और पैरामाउंट भी के बीच खेला गया। जिसमें पैरामाउंट ने 2-1 से जीत हासिल की। आज के मैच में मैच रेफरी रजत सोनी, आशीष परिहार और अमित सोलंकी थे। इस अवसर पर विजय पुरोहित अध्यक्ष पैरामाउंट क्लब, कमल फुटबॉल कोच, राजू पांडे, मेहराज अली आदि उपस्थित थे।

### रेत के अवैध खनन से सेमलखेड़ी एवं धानौदा के ग्रामीण परेशान

# भूमाफियाओं ने नदियों को किया खाइयों में तब्दील, प्रशासन बेखबर

**सिरोंज , दोपहर मेट्रो**

क्षेत्र में इन दिनों रेत के अवैध उत्खनन का कारोबार खूब फल फूल रहा है। नगर के स्थानीय माफिया धड़ल्ले से दिन-रात नगर व अंचलों में रेत का अवैध रूप से परिवहन करने में लगे हुए है, जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से लेकर तहसील में बैठे जिम्मेदारों से कई बार कर कर दी है। बावजूद इसके यह भूमपिया खुलेआम धड़ल्ले से अपना कारोबार संचालित कर रहे हैं। क्षेत्र के सक्रिय जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव ने बताया कि सेमलखेड़ी, धानोदा क्षेत्र की छोटी नदी नाले एवं कैथन नदी से लगातार प्रतिदिन सैकड़ो ट्रॉली रेत अवैध रूप से निकलकर बचने एवं स्थानीय लोगों को डरा धमका कर झूठे केस में फसाने की धमकी लोगों को दी जाती है जिससे कि स्थानीय लोग शिकायत करने से डर रहे हैं। उनका आरोप है कि क्षेत्र के भूमपिया इन दिनों धड़ल्ले से छोटी नदियों को अपना शिकार बना रहे हैं रात दिन अवैध रूप से खुदाई कर रहे हैं। नदियों में बड़ी-बड़ी खाई बना दी हैं जब भी इन लोगों से ग्रामीण मना करते हैं तो उन्हें झूठे केस में फसाने एवं दादागिरी करते हैं। इन भू माफियाओं से क्षेत्र में भय का माहौल है। उनका आरोप है कि लगातार शिकायतों के बाद भी आखिरकार प्रशासन क्यों चुप्पी सादे हुए है जबकि सैकड़ो ट्रॉली रेत प्रतिदिन बिना रॉयल्टी के शहर में बिकने आ रही है। फिर भी प्रशासन कार्यवाही नहीं कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इन अवैध रूप से रेत का उत्खनन करने वाले लोगों के कारण हमारे क्षेत्र की प्रधानमंत्री सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। रात दिन धड़ले से दौड़ रही है ट्रैक्टर ट्राली एवं डंपरों की वजह से लोगों का रहना दुबर हो रहा है। आए दिन हादसे हो रहे हैं, बावजूद इसके प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है। गौरतलब है कि नदियों में अवैध रूप से चल रहे रेत उत्खनन कार्य से जहां शासन को लाखों रुपये के रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। इसके साथ ही नदियों के अस्तित्व पर संकट भी गहराता जा रहा है। कई जगह नदियों में रेत के अवैध उत्खनन के कारण वहां जनजीवन पर भी इसका असर दिखने लगा है।

#### यहां होता है रेत का सबसे ज्यादा उत्खनन

क्षेत्र में कई महीनों से बंद पड़ा रेत का अवैध उत्खनन पुनः शुरू हो गया है। वर्तमान में केथन नदी के ढिमरौली एवं झागर घाट व शहर से सटे सेमलखेड़ी गांव गुजरी नदी एवं धानोदा की पुलिया के पास से हर दिन इन भूमपियाओं द्वारा उत्खनन किया जा रहा है। नदी को देखकर ऐसे लगता है जैसे कोई खदान हो जहां खुदाई के कारण कई बार हादसे भी हो चुके हैं बावजूद इसके प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है। खनन माफियाओं द्वारा प्रशासन को चुनौती देते हुए खुलेआम अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन लगातार जारी है। जब भी अधिकारियों से उत्खनन की बात करते हैं तो उनका एक ही आश्वासन होता है की बड़ी कार्रवाई करेंगे हम लगातार सक्रिय हैं लेकिन यह कार्रवाई कब होगी और कैसे होगी आज भी संशय ही है। अब देखना बाद ही दिलचस्प होगा कि प्रशासन जाकर क्या कार्रवाई करता है या फिर जनप्रतिनिधि मजबूर होकर आंदोलन को विवश होंगे।

#### ग्रामीण माइनिंग विभाग के अफसरों पर लगा रहे आरोप

कलेक्टर सिंह यादव का कहना है कि लगातार स्थानीय प्रशासन एवं माइनिंग विभाग के जिला अधिकारी को हम शिकायत कर चुके हैं कई बार फोन के माध्यम से भी अवगत करा चुके हैं बावजूद इसके अधिकारी हमारे फोन को कोई तवज्जो नहीं देते हैं हम लगातार पत्राचार भी कर रहे हैं इसके बावजूद भी यह अधिकारी अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि इन लोगों की सांठ गांठ से ही भू माफिया अपना अवैध कारोबार धडल्ले से संचालित कर रहे हैं। क्योंकि जैन अधिकारियों को उत्खनन रोकने की जिम्मेदारी सरकार निधि है वही अपनी जिम्मेदारी सही से नहीं निभा रहे हैं बरसों से एक ही पद पर जमे अधिकारी अब अपनी मनमानी करने लगे हैं, उन्हें किसी का कोई खौफ नहीं है।

#### इनका कहना है

अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हमने टीम भी गठित कर दी है विगत दिवस पूर्व टीम ने मौके पर पहुंचकर कुछ कार्रवाई भी की है, यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। जहां से भी शिकायत मिलती है हम तत्काल कार्रवाई करते हैं।

-हर्षल चौधरी एसडीएम सिरोंज

## पुलिस ने गौवंश भरी पिकअप को सूचना पर ग्राम बगरौदा से किया जप्त, आरोपी फरार

**सिरोंज , दोपहर मेट्रो**

पथरिया पुलिस ने गौवंश बछड़ों का अवैध रूप से परिवहन करते हुए सूचना के बाद कार्रवाई करते हुए ग्राम बागरोदा से पिकअप वाहन को जप्त करके पुलिस ने धारा दृ 4,6,9 म.प्र. गौवंश वध अधि.2004, 4,6,10 म.प्र. कृषि उपयोगी संरक्षक अधि., 11(1) (घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम मामला दर्ज किया है। पथरिया थाना प्रभारी ऋतुराज ने बताया जैसे ही हमें सूचना मिली कि गोवंश से भरी पिकअप जा रही है ।इसके बाद मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी उनके निर्देशन में टीम बनाकर हमने कार्रवाई करते हुए ग्राम बगरौदा से गौवंश बछडों का अवैध रूप से क्रूरता पूर्वक परिवहन करते हुए एक पिक अप रजिस्ट्रेशन क्रमांक डच्42ब्9021 जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया एवं गौवंश को सिरोंज स्थित गौशाला में छोडा गया एवं आरोपियों की तलाश की जा रही हैं। उक्त कार्रवाई पुलिस ने बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं की सूचना पर की है मौके से पिकअप वाहन चालक तथा अन्य आरोपी फरार हो गया है रात का फायदा उठाकर भागे है इनकी खोज बीन पुलिस कर रही है पहले भी यहां से अवैध रूप से गौवंश का परिवहन करते हुए अपराधी पकड़े जा रहे हैं । इसके बाद भी लगातार गोवंश अवैध रूप से परिवहन हो रहा है । अपराधियों में पुलिस भय नहीं है अभी तो घटना रुक नहीं रहीं हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही में उनि.ऋतुराज सिंह,प्र.आर जितेन्द्र यादव,आर. अंकुश जाट, आर.1 रवि जादौन, आर. शुभेन्द्र चौहान,आर. सोनू राजपूत, आर. आशीष कुमार की रही।

### समिति के नवीनीकरण हेतु आवेदन पांच तक आमंत्रित

**सिरोंज।** विदिशा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 एवं नियम 2013 के क्रियान्वयन के तहत गठित स्थानीय समिति का नवीनीकरण किया जाना है। स्थानीय समिति शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों से मिलकर बनेगी। अध्यक्ष एवं अशासकीय सदस्यों के नामांकन हेतु आवेदन पत्र पांच जनवरी तक आमंत्रित किए गए है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत ने बताया कि स्थानीय समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति 3 वर्ष की अवधि के लिए होगी।

## नपा के कर्मचारी-अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बदल रही है तालाब की तस्वीर

**सिरोंज , दोपहर मेट्रो**

हाफिज याकूब बस स्टैंड पर स्थित तालाब की तस्वीर बदलने के लिए नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू के द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान में प्रति शनिवार को नगर पालिका के जन प्रतिनिधियों से लेकर अधिकारी कर्मचारी तथा लोग भी जन सहयोग करके तालाब के जीर्णोद्धार के लिए प्रत्येक शनिवार को श्रमदान करने पहुंचते हैं। इसी श्रंखला में शनिवार को द तालाब की सफाई करने में श्रमदान करने के लिए नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ के साथ जनप्रतिनिधी एवं नगर पालिका अमले ने तालाब की साफ सफाई एवं मरम्मत कार्य किया गया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल तालाब को साफ स्वच्छ और सुंदर बनाना है। बल्कि स्थानीय समुदाकय को भी पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान में स्थानीय निवासियों की भी भागीदारी करने तथा जागरूक नागरिक बने एवं श्रमदान करने पहुंचे। जिससे अपने आस पास के वातावरण को सुधारने में योगदान कर सकें।

## भीमराव अंबेडकर के अपमान के विरोध में आम आदमी पार्टी ने मांगा भारत के गृहमंत्री अमित शाह का इस्तीफा

**सिरोंज , दोपहर मेट्रो**

संविधान के निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी का अपमान भारत के गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा संसद में किया गया था । इस अपमान एवं अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में आम आदमी पार्टी ने गृहमंत्री श्री अमित शाह का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से मांगा है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि बाबा साहब का अपमान किसी भी हालत में बर्दाश्त करने लायक नहीं है। श्री शर्मा ने कहा कि अमित शाह को तुरंत माफी मांगना चाहिए और अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। एवं कलेक्टर द्वारा प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन देकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मांग की गई है कि भारत के गृहमंत्री श्री अमित शाह को तत्काल प्रभाव से अपने पद से हटाया जाए। यदि गृहमंत्री जी को तत्काल प्रभाव से हटाया नहीं गया तो आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश के साथ पूरे देश में जन आंदोलन करने को मजबूर होगी और इसकी सारी जवाबदारी केवल प्रशासन की होगी।

इस घोर अपमान के विरोध में आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव आर्मी विंग श्री संतोष श्रीवास्तव, यूके त्रिपाठी, अर्जुन मीणा, खुशाल सिंह राजपूत, धीरज कुशवाहा, नर्मदा प्रसाद लोधी, सौरभ गोड़, धीरेंद्र मिश्रा राजाराम आदिवासी, योगेश मिश्रा, अमर सिंह, जसवंत सिंह आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## थाने में ध्यान शिविर का हुआ आयोजन

**सिरोंज , दोपहर मेट्रो**

शनिवार को थाना परिसर में मुख्यालय तथा एसपी एसपी के निर्देश पर विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में ध्यान शिविर आयोजित किया गया। सुबह 8 बजे से 9 बजे के बीच ध्यान शिविर चल। जिसमें ध्यान अभ्यास के बारे विस्तृत जानकारी हार्ट फुल संस्था के श्रीकृष्ण बिहारी पाण्डेय द्वारा दी गई । ध्यान से तनाव को दूर करने में पुलिस कर्मियों काफी सहायता मिलती है दिमाग सही तरीके से काम करता है। इसी उद्देश्य को लेकर इसका आयोजन किया गया है। इस में एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के साथ नगर थाने की पुलिस के अलावा दीपनाखेडा आदि थानों के पुलिसकर्मी मौजूद थे।

### मध्यप्रदेश मीडिया संघ के अध्यक्ष बने सलमान

**सिरोंज।** मध्य प्रदेश मीडिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष जयवंत ठाकरे की अनुशंसा पर सलमान अमीन को मध्य प्रदेश मीडिया संघ का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं। इनके समर्थकों को मैं हर्ष का माहौल है।सलमान अमीन ने कहा कि मध्य प्रदेश मीडिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने जो जिम्मेदारी दी है मैं उसे बखूबी निभाऊंगा संगठन को आगे बढ़ाने का कार्य करूंगा । इस दौरान बधाई देने में अल्ताफ खान, अब्दुल अलीम ,हाफिज शम्स ,कमर, शकील मंसूरी , वसीम, इरफान मंसूरी, तबरेज आलम ,अरबाज खान, प्रदीप प्रजापति, ऋषि शर्मा, रवि विश्वकर्मा ,आसिम दाद खान, निजाम खान, शब्बू गोरी आदि लोगों ने बधाई दी ।

## अपर कलेक्टर ने की आवेदनों की समीक्षा

**सिरोंज , दोपहर मेट्रो**

विदिशा सुशासन सप्ताह के तहत संपादित कार्यो की समीक्षा अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने की कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में उन्होंने कहा कि कोई भी पात्रता धारी वंचित ना रहे यह नैतिक जिम्मेदारी हम सब की है।

उन्होंने कहा इस अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतने के निर्देश देते हुए उन्होंने समस्त एसडीएम से कहा की हर रोज समीक्षा करें ताकि विदिशा जिला किसी भी पैरामीटर में पीछे ना रहे। उन्होंने आवेदनों की कम संख्या पर असंतोष जाहिर किया है। उन्होंने सभी आवेदनों को ऑनलाईन दर्ज कराने के भी निर्देश दिए हैं।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में संपन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ संयुक्त कलेक्टर संतोष बिटौलिया श्रीमती मोहनी शर्मा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

**मेट्रो एंकर** *सर्दियों के मौसम में जरा सी लापरवाही सेहत बिगाड़ सकती है*

## विंटर सीजन में फिटनेस पर फोकस रुटीन में शामिल की एक्सरसाइज

***विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो***

*मौसम में बदलाव का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। वैसे तो विंटर सीजन सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन जरा सी लापरवाही सेहत बिगाड़ सकती है अब मौसम में हो रहे बदलाव के मुताबिक खुद के लाइफ स्टाइल में भी बदलाव करना बहुत जरूरी है इसी को देखते हुए लोग अब अपनी दिनचर्या में बदलाव कर रहे हैं और रूटीन में एक्सरसाइज, मॉर्निंग वॉक, डाइट में बदलाव, कोल्ड पानी से परहेज, गर्म कपड़े पहनना आदि शामिल किया है यूथ का कहना है कि विंटर सीजन का असर दिखने लगा है कुछ दिन पहले रात में ठंडक महसूस होती थी, लेकिन अब दिन में भी शीतल हवा चलने से ठंडी लगने लगी है। इसलिए रूटीन में भी बदलाव किया है सीबीएमओ डॉ. आरआर बागरी बताते हैं कि विंटर सीजन में एक्सरसाइज करना बॉडी के लिए बेहद फायदेमंद होता है।*

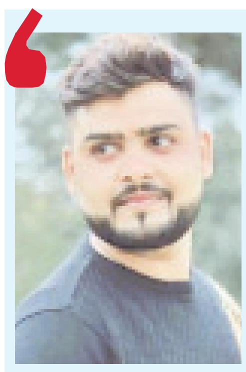

*भरत रजक बताते हैं कि विंटर सीजन सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, लेकिन जरा सी लापरवाही बीमारी का कारण भी बन सकती है। इसलिए बदलते मौसम के साथ ही लाइफ स्टाइल में बदलाव किया है। इसके तहत मॉर्निंग वॉक, व्यायाम को शामिल किया है। साथ ही डाइट पर भी ध्यान दिया जा रहा है। फ्रैंड्स को भी इसके लिए प्रेरित कर रहे हैं*

*-भरत रजक तेंदूखेड़ा*

*सुशील सोनी बताते हैं कि विंटर सीजन में भूख ज्यादा लगती है इसलिए बॉडी फिटनेस के लिए संतुलित डाइट पर फोकस किया है। डॉक्टर की सलाह भी ली है। फिज के पानी, कोल्ड ड्रिंक्स को बंद कर दिया है सुबह हल्की गुनगुनी धूप भी ले रहे हैं एक्सरसाइज को शामिल किया है*

*-सुशील सोनी तेन्दूखेड़ा*

*अमन चौकसे कहते हैं कि विंटर सीजन का सबसे ज्यादा असर हमारी बॉडी की स्किन पर पड़ता है सर्दी लगने के कारण त्वचा रूखी हो जाती है और त्वचा संबंधी रोग का खतरा भी रहता है इसलिए डाइट, फिटनेस के साथ ही स्किन सहीं रहे, इस पर फोकस कर रहे हैं*

*-अमन चौकसे तेन्दूखेड़ा*

### मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना के तहत 96 हितग्राहियों को 59 लाख 8 हजार का लाभ प्रदान किया

**सिरोंज।** विदिशा मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना के तहत बाल देखरेख संस्थाओं को छोडने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु के बालकों को आर्थिक एवं शैक्षणिक सहयोग देकर समाज में पुर्नस्थापित करना तथा 18 वर्ष तक की आयु के अनाथ बच्चों को जो अपने संबंधियों अथवा संरक्षकों के साथ जीवन यापन कर रहे हैं, को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्वेश्य से यह योजना 23 अगस्त 2022 को लागू की गई। योजना अन्तर्गत पात्र बच्चों को 4000 रूपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता बच्चों अथवा उनके संरक्षकों, पालकों को प्रदान की जा रही है। विदिशा जिले में विगत एक वर्ष में मुख्यमंत्री बाल आर्शिवाद योजना के तहत 96 हितग्राहियों को 4170000 का लाभ प्रदान किया गया है । आगामी पांच वर्ष में 127 हितग्राहियों को 30480000 करोड रूपये की राशि से लाभांन्वित करनें की कार्य योजना है । मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना का लाभ जिन हितग्राहियों को प्रदाय किया गया है, उन हितग्राहियों का बेहतर तरीके से लालन पालन हो रहा है । उनके सगे संबंधितों, संरक्षकों व्दारा बच्चों की पढाई लिखाई एवं उनके स्वा0 व पर ध्यान दिया जा रहा है ।

# सुरा-सुंदरी और फूलों की महक से गुलजार एम्स्टर्डम

■ अमिताभ स.

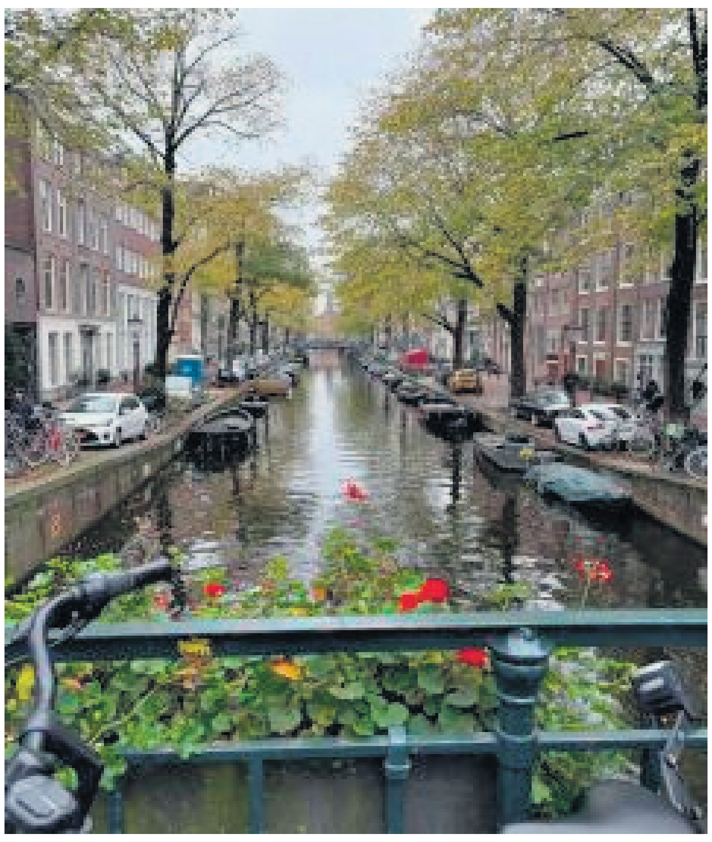

यूं तो, यूरोप का हर देश एक से एक खूबसूरत है, लेकिन नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम के क्या ही कहने ! एम्स्टर्डम छोटा-सा है, इसलिए पैदल चलते-चलते ही आर्च शेप पुलों को पार करते-करते सारा शहर मजे-मजे में घूम सकते हैं। रेड लाइट डिस्ट्रिक तो सिटी का सबसे पुराना हिस्सा है- सन 1385 से बना है। आधा वर्ग किलोमीटर में फैले रेड लाइट डिस्ट्रिक में, यूरोप ही नहीं, अफ्रीका और एशिया की सुन्दरियां कारोबार से जुड़ी हैं। यहां कहीं-कहीं फोटो खींचने की सख्त मनाही है। सो, शंका हो, तो पूछ लेना बेहतर है, वरना मोबाइल और कैमरा छीना जा सकता है।एम्स्टर्डन नहरों का शहर भी है। करीब 160 नहरें शहर में फैली हैं और 1250 पुलों से आर-पार आते-जाते हैं। इसीलिए यह 'वीनस ऑफ नॉर्थ' भी कहलाता है। नहरों में बोटिंग के जरिए भी एम्स्टर्डम घूम सकते हैं। एक से एक बोट टूर मिलते हैं। बाग-बगीचों में सबसे नामी वोनर्डल पार्क है। है सनड् 1865 से और अगर शहरी दुनिया से दूर एकांत और सुकून में कुछ घंटे गुजारना चाहें, तो उत्तम जगह है। एम्स्टर्डम को कोना-कोना ट्राम से जुड़ा है। बस सर्विस भी उम्दा है, लेकिन साइकिल पर एम्स्टर्डम घूमना सबसे बड़िया रहता है। आमतौर पर, एम्स्टर्डम में 70 फीसदी लोग साइकिल के जरिए ही आते-जाते हैं। यानी साइकिलों पर इधर-उधर जाने-आने का बड़ा चलन है। सड़क के साथ-साथ बाकायदा साइकिल ट्रेक हैं। ज्यादातर सड़कें चौड़ी नहीं हैं, फिर भी, ट्रैफ्कि कम ही होता है। लोगबाग कारों से ज्यादा साइकिल चलाना ज्यादा आरामदेह मानते हैं। घूमने-फिरने के लिए किराए पर साइकिलें मिलती हैं। आज तक घोड़ा बग्घी भी सवारी के लिए इस्तेमाल की जाती है।

**कार नहीं, तो मनचाहा मकान बनाइए:** हर तरफ रौनकें ही रौनकें हैं। अन्य यूरोपीय देशों की तरह यहां भी लोग ईमानदार हैं और नीयत साफ है। कहने और करने में ड़रा फर्क नहीं है। सरकार और जनता में आपसी विश्वास है। आजकल दिल्ली में मकानों के नक्शे पास करवाने के लिए पार्किंग लाजिमी है। लेकिन एम्स्टर्डम में ऐसा नहीं है। वहां दिल्ली से उलट अगर घर में पार्किंग का इंतजाम नहीं करेंगे, तो नक्शा पास करवाने की जरूरत ही नहीं है। क्योंकि आप देश और समाज के हित में सोचते हैं। आप का कार ख़रीदने, रखने और चलाने की योजना ही नहीं है। ज़ाहिर है कि आप कार नहीं रखेंगे, तो एक तो सड़क पर ट्रैफिक बढ़ेगा नहीं और साथ-साथ आबोहवा साफ रहेगी। ऐसा मुमकिन नहीं कि आप घर में पार्किंग न बनवाएं और कार खरीद लें। या कहें, तय है कि घर में पार्किंग न बनाने वाले उम्रभर साइकिल का इस्तेमाल ही करेंगे।

**सबसे रौनकी इलाके:** डेम स्क्वेयर और ब्राउन कैफे शॉपिंग का जलवा कम कहां है। दो प्रमुख शॉपिंग स्ट्रीट्स हैं- लेइडस्ट्रे और केइजीस्ट्रे। मॉल में शापिंग का मड़ा लेना चाहें, तो स्वयूस्ट्रे नाम की सड़क पर 'मेगना प्लाजा' है। उधर एल्बर्ट सूयूप नम्बर वन स्ट्रीट मार्केट है। खरीदारी से पहले बराबर भाव- तौल कर सकते हैं। है 'हेनिकेन' बीयर फैक्टरी के पीछे। वर्ल्ड फेमस बीयर ब्रैंड 'हेनिकेन' ठेठ नीदरलैंड का लोकप्रिय ब्रांड है। एम्स्टर्डम में 'हेनिकेन' बीयर फैक्टरी में जाना और घंटों बीयर बनते-पैक होते देखना पर्यटक खुशी से देखना पसंद करते हैं। एम्स्टर्डम में बीयर के अलावा 'जिन' पीने का भी खासा चलन है। बताते हैं कि 'जिन' सबसे पहले सन् 1650 में नीदरलैंड में ही बनना शुरू हुई। नीदरलैंड वालों के लिए सर्दियों में ठिठुरन बढ़ती है, ठंडी हवाएं बहती हैं, तो 'जिन' पीने के दिन आते हैं। ज्यादातर पर्यटक स्क्वेयर और रेड लाइट डिस्ट्रिक ही घूमते हैं। हैं भी मोस्ट हैप्पनिंग एरिया। जबकि जोरडन, डी पीप, न्यू मार्केट और नाइन स्ट्रीट भी खासमखास हैं। न्यू मार्केट के पीछे है एम्स्टर्डम का चाइना टाउन। नाइन स्ट्रीट में सेंकड हैंड सामान की दुकानें हैं। रोज सुबह 11 और दोपहर बाद 3 बजे डेम स्क्वेयर में फ्री वॉकिंग टूर ऑपरेट होता है। इसमें शामिल हो कर, एम्स्टर्डम की बारीकियों और चप्पे-चप्पे से वाकफ़ि होने का बखूब मौका मिलता है। एम्स्टर्डम में हर देश का खाना-पीना आसानी से मिल जाता है। **साभार**

# शो मैन के 100 वर्ष: राज कपूर का सिनेमा भव्यता की दुनिया रचता था..!

■ डॉ. विजय शर्मा

राज कपूर और भव्यता पर्याय है। उनके यहां भव्यता या विशालता यह दो तरह की नजर आती है। एक जो उनके सिनेमा में नजर आती है, दूसरी उनके दिल में, उनके व्यवहार में दीखती हैं। उन्हें भारतीय सिनेमा के स्वर्ण युग का सबसे बड़ा शोमैन कहा जाता है। उन्होंने 10 फिल्में निर्देशित कीं। 'आग', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420', 'संगम', 'मेरा नाम जोकर', 'बॉबी', 'सत्यमं, शिवं, सुंदरं', 'प्रेम रोग' तथा 'राम तेरे गंगा मैली' उनके द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। 70 फिल्मों में राज कपूर ने अभिनय किया। इन 70 में से अधिकाँश सफल रहीं। इनमें से छ्ङ्क 'आग', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420', 'संगम', शुरुआती तथा 'मेरा नाम जोकर' फिल्मों में वे स्वयं नायक हैं। उनकी दूसरी फिल्म 'बरसात' आई और इसके साथ ही वे स्टार बन गए। आज भी वे इस पद से नावजे जाते हैं।सृष्टिनाथ के रूप में जन्में ने फिल्म 'इंकलाब' में रनबीर राज कपूर नाम से पदार्पण किया। लेकिन परिवार की स्त्रियां रविंद्रनाथ टैगोर के उपन्यास के एक प्रमुख पात्र नाम गोरा से उन्हें पुकारतीं। बाद में वे परदे पर राज कपूर के नाम पर आने लगे। और वे दर्शकों के चहेते राज बन गए। 'आवारा' में वे सिस्टम के बाहर रह कर आदर्श का जीवन जीने वाले, हाशिए के आदमी को आकर्षित कर लेते हैं। उनकी यह छवि कई फिल्मों में बनी रहती है। आम आदमी के जीवन में शिक्षा के महत्व को वे दिखाते हैं। यह वह समय था, जब बंटवारे के बाद विस्थापितों का हुजूम बंबई के रहवास का हिस्सा बना। न मालूम कितनी बेकसूर औरतें अपने परिवार द्वारा ठुकरा दी गईं थीं। न जाने कितने बच्चे सफक पर पैदा हुए थे। उनकी फिल्मों ने उस भारतीय सिनेमा की नींव डाली जो भारत के महाकाव्याधारित सिनेमा से भिन्न है। पिता पृथ्वीराज के आभा मंडल से बाहर निकल राज कपूर ने अपने आपको स्वतंत्र अभिनेता, निर्देशक, प्रोड्यूसर  के रूप में स्थापित किया। 'आग' में वे कहते हैं, 'मैं अपनी जिंदगी खुद बनाना चाहता हूं।' और उन्होंने अपनी जिंदगी बनाई, संग में कई अन्य लोगों की भी। वे महत्वाकांक्षी थे। अपनी फिल्म बनाने का निश्चय किया। अपना स्टूडियो खफा किया। अपनी टीम बनाई। साहित्यिक कृतियों पर फिल्म बनाने के चलन से हटकर अपनी फिल्में बनाईं। राज कपूर की फिल्मों के भव्य सेट्स उनकी भव्य कल्पना के मूर्तिमान रूप हैं। वे अपनी फिल्मों के गानों, डांस, भावुक अभिव्यक्ति, यौनिकता केलिए याद किए जाते हैं। उस काल की सर्वाधिक मंहगी अभिनेत्री नर्गिस के साथ उनकी 19 फिल्में हैं, जिसमें 'आग', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420' खुद उनके द्वारा निर्देशित थीं। दोनों की रोमांटिक छवि दर्शकों को सदैव याद रहेगी। इसी जोफी की एक मुद्रा आर. के. फिल्म्स का 'लोगो' बना। अपनी पहली फिल्म 'आग' में वे तीन बफी अभिनेत्रियों ङ्क कामिनी कौशल, नर्गिस और निगार सुल्ताना को अपने साथ लेते हैं, जबकि वे खुद अभी नए थे। इसमें वे आंतरिक और बाह्य सौंदर्य को विश्लेषित करते हैं जो आगे चल कर उनकी फिल्म 'सत्यं शिवं सुंदरं' में फिर नजर आता है। 'बरसात' के ओपनिंग सीन में प्राकृतिक भव्यता को कैमरा पकफता है, फिल्म कश्मीर की भव्य सुंदरता को पकफता है। इस हिट फिल्म के गाने, 'हवा में उफता जाए', 'पतली कमर है...', 'मुझे किसी से प्यार हो गया', 'जिया बेकरार है', 'बरसात में तुमसे मिले' आज भी हिट लिस्ट में हैं। और यहीं से राज कपूर की टीम बननी शुरु हुई। संपादक जी. जी. मायकर, मुकेश, लता, शंकर-जयकिशन, अल्लाउद्दीन, अरुण भट्ट से शुरु हुई टीम में बाद में राधू करमाकर, मुकेश, रफी जुफे। टीम भी उन पर जान छिफकती थी। आदमी को पहचाना, उसकी इज्जत करना वे जानते थे। यह उनका बफप्पन था कि शैलेंद्र को 'कविराज', 'पुश्किन' कहते थे, उनके घर जाकर उनकी बराबरी में कुर्सी पर नहीं बैठते थे। इंटरनेशनल प्रसिद्धि की 'श्री 420' के गानों राष्ट्रीय गीत जैसा दर्जा पाने वाला 'मेरा जूता है जापान', 'दिल का हाल सुने दिल वाला', 'रमैया वस्तावैया', 'प्यार हुआ इकरार हुआ', 'मुफ मुफ के न देख', ईचक दाना' ने  धूम मचाई। याद कीजिए इसके क्लब के सेट को। और याद कीजिए 'आवारा' का भव्य स्वप्न दृश्यबंध जिसे फिल्माने में कितनी मेहनत लगी थी, इसी फिल्म का जज का भव्य बंगला। 'संगम' ('बोल राधा बोल', ये मेरा प्रेम पत्र पफ कर', 'हर दिल जो प्यार करेगा', 'मैं का करूँ राम', 'दोस्त दोस्त न रहा', 'ओ महबूबा'), 'बॉबी' ('मैं शायर तो नहीं', 'झूठ बोले', 'हम तुम इक कमरे में', 'अखियों को रहने दो') सबके गाने हिट रहे और भव्यता के क्या कहने। भव्यता को लेकर उनकी ऐसी दीवानगी थी कि मंहगे-से-मंहगे उपकरण खरीदने में गुरेज न करते। और इसी भव्यता के चक्कर में उन्होंने 'मेरा नाम जोकर' बनाई जो उस समय बुरी तरह फेल हुई। कोई शिखर पर कितने दिन टिकेगाफ असल में यहां तक उनकी फिल्में नायक प्रधान होती थीं, इसके बाद वे नायिका प्रधान ('बॉबी', 'सत्यमं, शिवं, सुंदरं', 'राम तेरे गंगा मैली') बनाने लगे। असल में नर्गिस के बाद उनकी फिल्मों का चार्म जाता रहा, भव्यता भले कायम रही। दर्शक नर्गिस का चेहरा, उसकी सुंदरता देखता है, कभी उसका शरीर नहीं। असल में वे भी मनुष्य थे, उनमें भी मानवीय कमजोरियां थीं। रोमांटिक थे, स्वप्नदर्शी थे साथ ही बहुत पोजेसिव थे। जो उनके साथ होते उनसे अपेक्षा करते, 'मेरे अलावा किसी और को न देखना।' इसी कारण साथ वालों का किसी दूसरे के साथ काम करना उन्हें रास नहीं आता था। **साभार**

आयकर विभाग प्रस्तुत करता है

विवाद से विश्वास स्कीम 2024

विवादों के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान हेतु

शामिल किए गए विवाद

निम्नलिखित से संबंधित सभी विवाद (कुछ अपवादों के अधीन):
• कर • पेनाल्टी • ब्याज • शुल्क • टीडीएस अथवा टीसीएस

पात्रता

- ऐसी अपील जो दिनांक 22.07.2024 को या उससे पहले दर्ज की गई है और दिनांक 22.07.2024 तक लंबित है।
- करदाता जिन्होंने विवाद समाधान पैनल (डीआरपी) के समक्ष आपत्तियां दर्ज की हैं और डीआरपी ने 22.07.2024 को या उससे पहले कोई निर्देश जारी नहीं किए हैं।
- करदाता जिनके मामले में डीआरपी ने निर्देश जारी किए हैं, किंतु असेसिंग ऑफिसर ने 22.07.2024 को या उससे पहले तक असेसमेंट पूरा नहीं किया है।
- करदाता जिन्होंने अधिनियम की धारा 264 के अंतर्गत रिवीजन के लिए आवेदन दाखिल किया है और ऐसा आवेदन 22.07.2024 तक लंबित है।

मुख्य तिथियां

अपील के निपटान हेतु कम राशि का भुगतान करने के लिए **31.12.2024** को या उससे पहले विवाद से विश्वास स्कीम के अंतर्गत अपनी घोषणा दाखिल करें। दिनांक **01.01.2025** को या उसके पश्चात घोषणा दाखिल करने पर निपटान हेतु अधिक राशि का भुगतान करना होगा।

स्कीम संबंधी अधिक जानकारी के लिए www.incometax.gov.in पर जाकर विभाग द्वारा जारी **FAQ** को देखें।

CBC 15401/13/0011/2425

FAQs के लिए

आयकर विभाग
केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

वेबसाइट के लिए

@IncomeTaxIndia @incometaxindia.official @IncomeTaxIndiaOfficial @incometaxindiaofficial @Income Tax India Official

*अगर आपको बिना किसी वजह के बार-बार चक्कर आते हैं, तो इसे कभी नजरअंदाज न करें. यह कई गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है. चक्कर आना एक आम समस्या हो सकती है। लोगों को स्वास्थ्य की नियमित जांच करवाएं: साल में कम से कम एक बार पूरी बॉडी चेकअप करवाएं. संतुलित आहार लें: पोषण से भरपूर आहार लें और नियमित रूप से पानी पिएं. रोजाना व्यायाम करें और अपने शरीर को फिट रखें.*

# क्या आपको भी बिना किसी वजह के चक्कर आते हैं तो कभी न करें इग्नोर

### ये हो सकते है मुख्य कारण

**रक्तचाप की समस्या:** उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) या निम्न रक्तचाप (लो ब्लड प्रेशर) दोनों ही चक्कर आने का कारण बन सकते हैं. जब रक्तचाप असामान्य होता है, तो शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता. इसके लक्षण हैं सिरदर्द, धुंधला दिखना, कमजोरी और चक्कर आना. इसका इलाज करने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर चेक करें और डॉक्टर की दवाइयां समय पर लें.

**मधुमेह (डायबिटीज):** मधुमेह के मरीजों में शुगर लेवल के अचानक गिरने या बढ़ने से चक्कर आ सकते हैं. यह स्थिति हाइपोग्लाइसीमिया या हाइपरग्लाइसीमिया कहलाती है.मधुमेह के मरीजों में शुगर लेवल अचानक कम या ज्यादा होने से चक्कर आ सकते हैं. इसके लक्षण हैं पसीना आना, कमजोरी, भूख लगना और चक्कर आना. इसका इलाज करने के लिए रोजाना रूप से ब्लड शुगर की जांच करें और बैलेंस डाइट ले.

**कान की समस्या:** कान के अंदरूनी हिस्से में संक्रमण या समस्या होने पर भी चक्कर आ सकते हैं, जिसे वर्टिगो कहा जाता है. इसमें कान में दर्द, सुनाई कम देना, और संतुलन बिगड़ना शामिल हैं. इसका इलाज करने के लिए कान के विशेषज्ञ से संपर्क करें और उचित दवाइयों का सेवन करें. रोजाना जांच करवाना भी जरूरी है.

**एनीमिया:** रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से भी चक्कर आ सकते हैं, जिसे एनीमिया कहते हैं. इसके लक्षण हैं थकान, कमजोरी, सांस फूलना और चक्कर आना. इसका इलाज करने के लिए आयरन युक्त आहार लें और डॉक्टर की सलाह पर दवाइयां लें. रोजाना रूप से खून की जांच करवाना भी जरूरी है.

### बीसीसीआई और पीसीबी मिलकर रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे

# भारत और पाकिस्तान की टीम खेलेंगी त्रिकोणीय सीरीज

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम कई सालों बाद पहली बार त्रिकोणीय सीरीज में एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हुई नजर आ सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) जल्द इस योजना पर काम करेंगे। दरअसल, त्रिकोणीय सीरीज का यह प्रस्ताव कुछ दिन पहले पाकिस्तान ने बीसीसीआइ को दिया था, जिसे उसने ठुकरा दिया था। लेकिन अब ब्रॉडकास्टर्स की नुकसान की भरपाई करने के लिए बीसीसीआइ इस सीरीज के आयोजन पर गंभीरता से विचार कर रही है।

## टूर्नामेंट की तीसरी टीम एशिया से होगी

सूत्रों के मुताबिक, भारत को 2025 में एशिया कप की मेजबानी करनी है लेकिन यह टूर्नामेंट भी हाइब्रिड होगा। इस टूर्नामेंट के बाद त्रिकोणीय सीरीज कराए जाने की योजना है, जिसमें तीसरी टीम श्रीलंका, बांग्लादेश या अफगानिस्तान में से कोई एक होगी। 2023 वनडे विश्व कप में भारत-पाकिस्तान का मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जहां दर्शक क्षमता करीब एक लाख है। पाकिस्तान ने अपने अन्य मैच भी बड़े स्टेडियम में खेले, जो दर्शकों से भरे रहे। लेकिन अब एशिया कप और टी-20 विश्व कप में पाक टीम भारत नहीं आएगी और उसके मैच कोलंबो या दुबई में होगें, जहां के मैदानों की दर्शक क्षमता कम है। पाकिस्तान में 2025 में वनडे चैंपियंस ट्रॉफी और 2028 में टी-20 महिला विश्व कप खेला जाएगा। वहीं, भारत में 2026 में पुरुष टी-20 विश्व कप और 2025 में एशिया कप का आयोजन होगा। लेकिन जब दोनों टीमें एक-दूसरे के देश में नहीं खेलेंगी, तो इन मैचों की मार्केटिंग वैल्यू काफी कम हो जाएगी।

**आइसीसी के फैसले के बाद बदली तस्वीर...** आइसीसी ने हाल में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर साफ किया है कि भारत और पाकिस्तान की टीम 2028 तक हाइब्रिड मॉडल के आधार पर तीसरे देश में अपने मुकाबले खेलेंगी। आइसीसी का यह फैसला भले ही क्रिकेट के लिए अच्छा है लेकिन इससे ब्रॉडकॉस्टर्स को इससे काफी वित्तीय नुकसान झेलना पड़ेगा। ऐसे में त्रिकोणीय सीरीज के आयोजन का विचार आया, जिससे ब्रॉडकास्टर्स, बीसीसीआइ और पीसीबी को काफी फायदा हो सके। जब भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेलती है तो विज्ञापन की वैल्यू काफी बढ़ जाती है। लेकिन जब यह मुकाबला भारत से बाहर खेला जाएगा तो विज्ञापन की वैल्यू भी कम हो जाएगी। इसके अलावा, भारत में पकिस्तान के मैच नहीं होने से बीसीसीआइ को गेट मनी का भी काफी नुकसान उठाना पड़ेगा।

**रेवेन्यू में 45-45 फीसदी की होगी हिस्सेदारी:** इस त्रिकोणीय सीरीज से होने वाली कमाई में बीसीसीआइ और पीसीबी को एकसमान 45-45 फीसदी हिस्सा मिलेगा। वहीं, टूर्नामेंट की तीसरी टीम को 10 फीसदी का रेवेन्यू मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक, इस त्रिकोणीय सीरीज में हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों में फाइनल होगा। दरअसल, योजना ऐसी बनाई जा रही है।

### बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले दो टेस्ट में सिर्फ 60 रन ही बना सके

# शुभमन गिल एशिया से बाहर रहे फ्लॉप, मुश्किल में टीम प्रबंधन

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के लिए मेलबर्न पहुंच चुकी है, जहां 26 दिसंबर से मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा मैच खेला जाएगा। लेकिन इस टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को कई समस्याओं का समाधान खोजना होगा, जिसमें बल्लेबाज शुभमन गिल की खराब फॉर्म भी शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पिछले दो टेस्ट मैचों में गिल का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है और वह चार पारियों में सिर्फ 60 रन ही बना सके हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा के सामने बड़ा सवाल है कि शुभमन गिल पर ही भरोसा कायम रखा जाए या फिर किसी और बल्लेबाज को मौका दिया जाए। गिल की जगह लेने के लिए भारतीय टीम में सरफराज खान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल मौजूद हैं।

**विदेशी सरजमीं पर 16 पारियों में नहीं बना सके अर्धशतक:** तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले शुभमन गिल का एशिया से बाहर प्रदर्शन बेहद खराब है। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में गिल को काफी संघर्ष करना पड़ा है। हाल यह है कि पिछली 16 पारियों में वो यहां एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके हैं। हैरानी की बात यह है कि वो 40 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सके हैं। वहीं, पिछली आठ पारियों में उनका सर्वाधिक स्कोर सिर्फ 36 रन रहा है। ऐसे में गिल के ऊपर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव है। शुभमन गिल को एशिया के बाहर बाउंसी और तेज विकेट पर हमेशा मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो अर्धशतक लगाए थे। उसके बाद से उनका बल्ला खामोश है।

### समस्या का समाधान निकालना जरूरी

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि शुभमन गिल की खराब फॉर्म चिंता की बात है और कोच गौतम गंभीर को इस समस्या का समाधान निकालना होगा। उन्होंने कहा, जब आप नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हैं और आपका स्कोर इतना निराशाजनक हो तो यह एक बड़ी समस्या है। टीम प्रबंधन को गिल के साथ बैठकर बात करनी होगी।

**70 साल का रेकॉर्ड टूटेगा:** कोंस्टास चौथे टेस्ट से करियर का आगाज करेंगे। वे 70 साल बाद टेस्ट डेब्यू करने वाले ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा टेस्ट बल्लेबाज होंगे।

### टीम प्रबंधन बदल सकता है बल्लेबाजी क्रम

एक रिपोर्ट के मुताबिक, टीम प्रबंधन मेलबर्न टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव कर सकता है। इसके तहत, शुभमन गिल को विराट कोहली के स्थान नंबर चार या कप्तान रोहित शर्मा के स्थान नंबर छह पर उतारा जा सकता है। वहीं, तीसरे नंबर पर विराट और रोहित में से कोई उतर सकता है। टीम के लिए चिंता की बात यह है कि गिल के अलावा पिछले दो टेस्ट में विराट कोहली और रोहित शर्मा भी रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं।

## मनोरंजन — बॉलीवुड का कोना

### अभिनेत्री ममता कुलकर्णी बोलीं-

# मेरा ड्रग्स से कोई वास्ता नहीं, सिर्फ विक्की गोस्वामी के संपर्क में थी

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने 25 साल बाद मुंबई वापसी और ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जेल में रहकर विक्की ने पहली बार उन्हें मिलने के लिए बुलाया था। 2016 तक वे विक्की के टच में थीं। इसके बाद उन्होंने कभी भी विक्की से कॉन्टैक्ट करने की कोशिश नहीं की। ममता ने कहा- मेरा डी (ड्रग) की दुनिया से कोई संबंध नहीं है। मैं इन लोगों से कभी नहीं मिली। हां, मैं विक्की गोस्वामी से जुड़ी थी। 1996 में मेरी आध्यात्मिक यात्रा शुरू हुई। उसी वक्त मेरी लाइफ में एक गुरु आए। जब विक्की दुबई के जेल में था, तो उसने मुझे मिलने के लिए बुलाया था। जब मैं उससे मिली, मैंने 12 साल बिताए। फिर मैं ध्यान तप और पूजा-पाठ में व्यस्त हो गई। जब वह 2012 में जेल से बाहर आया, तब तक मेरी सारी इच्छाएं खत्म हो चुकी थीं। प्यार करना या शादी करना, कुछ नहीं बचा था। मैंने तय कर लिया था कि जब तक वह बाहर नहीं आता, मैं इंडिया वापस नहीं जाऊंगी। फिर वह केन्या चला गया और मैं 20212-13 के आसपास कुंभ मेले के लिए भारत आई। मैं दुबई से सीधे इलाहाबाद (अब प्रयागराज) गई और 10 दिनों के लिए फिर दुबई वापस आ गई। ममता ने आगे कहा- विक्की केन्या वापस चला गया। एक या दो बार मैं उससे मिलने गई और दुबई वापस आ गई। केन्या में उस पर पहले ही आरोप लग चुके थे। मैं उस दौरान उसके साथ नहीं थी। अब भी मैं उसके संपर्क में नहीं हूं। मैंने आखिरी बार 2016 में उससे संपर्क किया था। 2017 में ठाणे पुलिस ने ममता कुलकर्णी और ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी के खिलाफ ड्रग तस्करी के मामले में गैर-जमानती वारंट जारी किया था। बाद में विक्की को केन्या ने अमेरिका को प्रत्यर्पण कर दिया था। खबरें ऐसी भी थीं कि ममता और विक्की ने शादी कर ली थी। हालांकि ममता ने शादी की खबरों को अफवाह करार दिया था।

# 'वीरजारा' में ज्यादा स्क्रीन टाइम चाहते थे मनोज बाजपेयी, किया था गेस्ट रोल

मनोज बाजपेयी ने हालिया इंटरव्यू में फिल्म वीर जारा में काम करने के एक्सपीरियंस को शेयर किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका रोल बहुत छोटा था, जिसकी शूटिंग उन्होंने 4 दिन में ही पूरी कर ली थी। हालांकि यश चोपड़ा जैसे डायरेक्टर के साथ काम करना उनके लिए बड़ी उपलब्धि थी। एक इंटरव्यू में मनोज बाजपेयी ने फिल्म वीर जारा में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया है। उन्होंने यह भी बताया कि यश चोपड़ा ने उन्हें फिल्म में जारा (प्रीति जिंटा) के मंगतेर के रोल के लिए क्यों चुना। मनोज ने कहा, %वीर जारा में काम करने का एक्सपीरियंस अच्छा रहा है। लेकिन सच्चाई यह है कि मैंने फिल्म के लिए 3 दिन दिल्ली में और फिर एक दिन अमृतसर में शूटिंग की थी। इस तरह सिर्फ 4 दिन में मैंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर दी थी। फिल्म में मेरा गेस्ट रोल था। हालांकि यश चोपड़ा और उनकी टीम ने मुझे बहुत सम्मान दिया था। मैं बस इस बात से खुश था कि यश चोपड़ा जैसे डायरेक्टर ने मुझे डायरेक्ट किया है। मैं हमेशा इस बात की खुशी मनाऊंगा। मनोज ने आगे कहा, यश चोपड़ा फिल्म में मेरे रोल के बारे में मुझसे बहुत ईमानदार थे। उन्होंने कहा था- यह वह रोल है जो मेरे पास तुम्हारे लिए है। मैं ज्यादातर रोमाटिंग फिल्में बनाता हूं, लेकिन जब मुझे इस रोल के लिए कलाकारों का चयन करना था, तो मैं केवल तुम्हारे बारे में सोच रहा था। मनोज ने बताया कि फिल्म पिंजर में उनका काम देखकर यश चोपड़ा ने उन्हें फिल्म वीर जारा में कास्ट किया था।

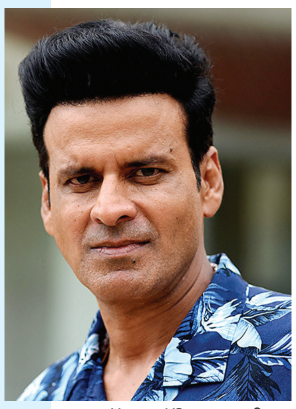

**मनोज बोले- फिल्म में मेरे और सीन्स होने चाहिए थे:** नोज ने फिल्म वीर जारा के बारे में फीडबैक देते हुए कहा, मुझे पता है कि यह एक प्रेम कहानी थी। फिल्म के लीड एक्टर और एक्ट्रेस पर ज्यादा ध्यान दिया गया था। लेकिन मेरे किरदार को और भी ज्यादा ग्रे दिखाने के लिए इसमें और सीन्स को ऐड करना चाहिए था। फिल्म वीर जारा 20 साल पहले रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी। 2004 में यह हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों में से एक थी।

# जब वरुण धवन का पीछा कर घर में चुपके से घुसी थी फीमेल फैन, बुलानी पड़ी थी पुलिस

हाल ही में, रणवीर अल्लाहबादिया के साथ एक साक्षात्कार में वरुण ने अपनी एक महिला फैन के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। वरुण ने कहा, एक बार एक फीमेल फैन जबरन मेरे घर घुस गई थी। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन इस समय अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में वरुण धवन बेहद अलग किरदार में नजर आने वाले हैं। वह फिल्म का जोरों-शोरों से प्रचार प्रसार भी कर रहे हैं। अब हाल ही में, वरुण धवन ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। अभिनेता ने बताया है कि एक फैन ने घर तक उनका पीछा किया था, जिस कारण उन्हें पुलिस बुलानी पड़ गई थी। आइए जानते हैं कि इसके पीछे की कहानी क्या है। हाल ही में, रणवीर अल्लाहबादिया के साथ एक साक्षात्कार में वरुण ने अपनी एक महिला फैन के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। वरुण ने कहा, एक बार एक फीमेल फैन जबरन मेरे घर घुस गई थी और वह कोई आम लड़की नहीं थी बल्कि एक पावरफुल इंसान की पत्नी थीं। मैं उनके बारे में खुलासा तो नहीं कर सकता हूं, लेकिन गलती उनकी भी नहीं थी। कोई मेरा नाम लेकर उन्हें फंसा रहा था। वरुण ने आगे बताया कि उस महिला फैन को कोई यह बता रहा था कि मैं अपना परिवार छोड़ने जा रहा हूं। यह सच में काफी डरावना अनुभव था। बाद में मुझे पुलिस बुलानी पड़ गई थी। वह अपने किसी पहचान वाले के साथ आई थीं और बाद में यह एक पारिवारिक मामला बन गया था। हालांकि, एक महिला कांस्टेबल ने सारा मामला संभाला और उनके साथ डील किया था। अभिनेता ने यह भी बताया कि उनके कई फैन अपने घरों से भाग गए थे और तीन रात बीच पर रुके थे। इसके बाद उन्हें पुलिस बुलानी पड़ी थी। अभिनेता ने कहा, एक बार एक फैन जबरन मुझे किस किया था और मुझे बहुत खराब लगा। पहले कई लोगों ने मेरे बट पर चुटकी भी काटी थी, जो मुझे बिल्कुल नहीं पसंद आया था। बता दें कि कलीस द्वारा निर्देशित और एटली द्वारा निर्मित फिल्म बेबी जॉन 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगा। यह साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

# पहाड़ों की इस प्राचीन कलाकारी से कंगना रनौत ने कराया फैंस को रूबरू, बोलीं- अब कहीं लुप्त हो गई

कंगना रनौत ने पहाड़ों की एक कलाकारी से रूबरू कराया है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इसके बारे में बताया है। चर्चित बॉलीवुड अदाकारा और भाजपा सांसद कंगना रनौत सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती हैं। यहां वे अपने काम से जुड़ी जानकारियां शेयर करती हैं तो तमाम मुद्दों पर भी खुलकर राय रखती हैं। हालांकि, फिलहाल उन्होंने मुद्दों और फिल्मों से अलग पहाड़ों की एक कलाकारी का जिक्र किया है। उन्होंने हाथों से बनीं खास तरह की चप्पलों के बारे में बताया है, जिन्हें पहाड़ों पर लोग घरों में पहनते हैं। कंगना रनौत ने इस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें वे अपनी खूबसूरत चप्पलों को फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने इसकी डिटेल साझा की हैं। अभिनेत्री के लिए यह चप्पल पहाड़ों पर एक महिला ने खासतौर पर तैयार करके भेजी हैं। कंगना ने इसके साथ लिखा है, %क्या आपको पता है कि हमारे पूर्वज कभी घरों के अंदर वह जूते नहीं पहना करते थे, जो वे घर के बाहर पहनते थे। लेकिन पहाड़ों में क्योंकि ठंड बहुत होती है, इसलिए वे अपने घरों में इस तरह की पुल्ला चप्पलें पहना करते थे, जो हाथों से बनी होती हैं। कंगना ने आगे लिखा है, अब ये चप्पलें कहीं लुप्त हो रही हैं। लेकिन, गांव की एक दीदी ने मेरे लिए खासतौर से बनाई हैं। अगर आप लोग हिमाचल जाएं तो इन्हें जरूर खरीदें। ये कमाल के हैं और इन्हें आसानी से हाथों से घर पर धोया जा सकता है। आपकी खरीदारी से कई महिलाओं को रोजकार मिल सकता है। कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद हैं। उनके फिल्मी वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री की आगामी फिल्म इमरजेंसी है। इस फिल्म में वे पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की भूमिका अदा करती दिखेंगी। यह फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिलने की वजह से तय डेट को रिलीज नहीं हो सकी।

# डिस्काउंट नहीं देने पर शराब दुकान कर्मचारी पर हमला

**भोपाल।** टीटी नगर इलाके में डिस्काउंट नहीं देने पर तीन बदमाशों ने एक शराब दुकान के कर्मचारी के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद तीनों आरोपी मौके से भाग निकले।

पुलिस ने कर्मचारी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हुलिए के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार अमित झा (21) मूलतः शिवपुरी का रहने वाला है। फिलहाल वह चूनाभट्टी इलाके में रहता है और पंचशील नगर कलारी पर सेल्समैन का काम करता है। गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे वह दुकान पर था, तभी बाइक सवार तीन युवक पहुंचे। उन्होंने शराब का रेट पूछा और डिस्काउंट देने की बात करने लगे। अमित ने उन्हें डिस्काउंट देने से इंकार कर दिया। उस वक्त तीनों युवक वहां से चले गए। कुछ देर बाद वापस लौटे और अमित के साथ गाली-गलौज करते हुए उस पर छुरी से हमला कर दिया। अमित ने छुरी पकड़ी तो उसके हाथ से खून निकलने लगा। इसी बीच दो युवक जाली पर चढ़ गए और उसे काउंटर से बाहर खींच लिया। बाहर लाकर तीनों ने हाथ-मुक्कों से मारपीट करनी शुरू कर दी। दुकान के अन्य कर्मचारियो ने किसी तरह बीच-बचाव किया। उसके बाद तीनों धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

# लेडी डॉक्टर को मोबाइल पर भेज रहा था अश्लील मैसेज

**भोपाल।** जीएमसी में पीजी कर रही लेडी डॉक्टर को परेशान करने वाले मनचले पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। आरोपी लंबे समय से लेडी डॉक्टर को मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेज रहा था। मनचले से परेशान होकर डॉक्टर ने महिला थाना पुलिस को शिकायत की थी। महिला थाना पुलिस ने बताया कि बैरसिया रोड निवासी 26 साल की महिला डाक्टर जीएमसी से पीजी कर रही है। करीब 6 महीने पहले

जुलाई में अस्पताल में एक बर्निंग केस आया था। उक्त केस में डॉक्टर द्वारा इलाज किया गया। इस दौरान मरीज के साथ आए इरशाद खान नामक युवक ने महिला डाक्टर का मोबाइल नंबर अरेंज कर लिया। शुरूआत में वह डॉक्टर के मोबाइल पर नार्मल मैसेज करता था और कॉल भी करता था। डॉक्टर ने उसे कॉल और मैसेज करने से मना किया। बावजूद इसके आरोपी की हरकत नहीं सुधर रही थी। करीब डेढ़ महीने से इरशाद डॉक्टर को अश्लील मैसेज भेजने लगा। डॉक्टर ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया तो आरोपी दूसरे नंबर से मैसेज करने लगा। समझाइश देने के बाद भी इरशाद की हरकतें बंद नहीं हुई तो डॉक्टर ने महिला थाना पुलिस को शिकायत की थी। आरोपी नीलबड़ इलाके का रहने वाला बताया गया है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

# बाबा नगर में मूर्तियों से छेड़छाड़ करने वाले युवक पर केस दर्ज

**भोपाल।** चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित बाबा नगर बस्ती में एक शराबी ने मूर्तियां के साथ छेड़छाड़ कर दी। स्थानीय लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह बदसलूकी करने लगा। पुलिस ने इस मामले में

युवक के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार बाबा नगर बस्ती स्थित पीपल के पेड़ के नीचे एक शंकरजी का मंदिर बना हुआ है। बस्ती में रहने वाला छोटू नामक युवक शुक्रवार की शाम को मंदिर के पास बैठा हुआ था। कुछ देर बाद वह अचनाक खड़े होकर गाली-गलौज करने लगा। लोगों ने उसे समझाने का प्रयास किया तो उसने मंदिर में रखी मर्तियों के साथ छेड़छाड़ करनी शुरू कर दी। इस दौरान उसने नंदीजी की मूर्ति को लुड़का दिया। घटना के दौरान वह नशे में था। बाद में पास ही रहने वाली एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

# जालसाज ने बेटी पर संकट दिखाकर मां से 90 हजार रुपए के जेवरात ठगे

## जेवरात उतरवाए, 51 कदम पैदल चलवाया, पलटकर देखा तो आरोपी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

परिजन पर संकट का डर बताकर झांसे में लेकर ठगी करने वाले जालसाज एक बार फिर राजधानी में सक्रिय हो गए है। जालसाजों ने कोहेफिजा थाना क्षेत्र टीएम कान्वेंट स्कूल के पास महिला से 90 हजार रुपए के जेवर ठग लिए। जासलाजों ने महिला को बेटी पर संकट बताकर बातों में उलझाया था। बाद में जेवरात उतरवाए और 51 कदम चलने का कहा। 51 कदम चलने के बाद महिला ने पलटकर देखा तो जालसाज जेवर लेकर फरार हो चुके थे। जानकारी के अनुसार कविता सिरोही (39) बैरागढ़ में रहती हैं और गृहणी हैं। शुक्रवार को उनके मोबाइल की सिम बंद हो गई। वह सिम अपडेट करवाने के लिए वह टीएम कान्वेंट स्कूल के पास पहुंची। दोपहर करीब 1 बजे वह सेंटर से बाहर निकली तो दो युवक मिले। उन्होंने आसपास नाक-कान और गले वाले डॉक्टर के बारे में पूछा तो कविता ने बताया कि मुझे डाक्टर के बारे में जानकारी नहीं है।

बातचीत के दौरान युवकों ने बोला कि आपकी बेटी और परिवार पर संकट आने वाला है। इसे टालने के लिए एक उपाय करना होगा। कविता उनकी बातों में आ गई और उपाय पूछ लिया। जालसाजों ने कहा कि अपने गहने उतारकर बैग में रख लीजिए और 51 कदम आगे चलते हुए मातारानी का ध्यान कीजिए। आने वाला संकट टल जाएगा। जालसाजों के कहने पर कविता ने अपने कान में पहनी हुई सोने की झुमकी, गले की सोने की चैन और एक सोने की अंगूठी अपने पर्स में रख लिए। उसके बाद युवकों ने उनका पर्स पकड़ लिया और कविता मातारानी का ध्यान करते हुए 51 कदम चलने लगी। कदम पूरे होने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो दोनों युवक उनका बैग लेकर फरार हो चुके थे। बैग में जेवरातों के अलावा एटीएम कार्ड, ओप्पो कंपनी मोबाईल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन समेत अन्य सामान रखा हुआ था। बाद में उन्होंने थाने जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। हुलिए के आधार पर चल रही तलाश फरियादिया ने दोनों युवकों की उम्र 30 से 32 वर्ष के बीच बताई है।

## मंदिर के सामने खड़ी युवक की बाइक चोरी

**भोपाल।** राजधानी में दोपहिया वाहनों की चोरी का सिलसिला जारी है। हनुमानगंज इलाके में मंदिर के सामने खड़ी एक युवक की बाइ चोरी चली गई। पुलिस के मुताबिक दौलत सिंह अहिरवार (38) लाल पठार, गंजबासौदा जिला विदिशा का रहने वाला है और चैतन्य काम्पलेक्स में सेल्समैन का काम करता है। सुबह करीब ग्यारह बजे उसने रोजाना की तरह घोड़ा नक्कास स्थित मंदिर कमाली के सामने अपनी बाइक खड़ी की और काम पर चला गया। रात करीब साढ़े आठ बजे वापस लौटा तो उसकी बाइक चोरी जा चुकी थी। इधर गोविंदपुरा थानांतर्गत रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास से सुनील दास की मोटर सायकिल, इंद्रपुरी पिपलानी से सौरभ ब्रह्मवंशी और एमपी नगर जोन क्रमांक एक स्थित नापतौल विभाग के सामने खड़ी भागचंद अहिरवार की स्कूटर चोरी हो गई।

# पैदल जा रहे युवक को आँटो चालक ने मारी टक्कर, घायल

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

टीटी नगर इलाके में पैदल जा रहे एक युवक को अज्ञात आटो चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार शेख शकील (50) मद्रासी कालोनी पंचशील नगर में रहते हैं और मजदूरी करते हैं। रात करीब पौने नौ बजे उन्हें सूचना मिली कि भाई अमीन शेख का लालटेन चौराहे के पास एक्सीडेंट हो गया है। वह तुरंत ही मौके पर पहुंचे तो अमीन घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। पूछताछ करने पर अमीन ने बताया कि वह चाय पीने के लिए सेकेंड स्टाप जा रहा था, तभी लालटेन चौराहे पर पीछे से आ रहे अज्ञात आटो चालक ने उसे टक्कर मार दी। उसके बाद शेख शकील अपने भाई को इलाज के लिए मालवीय नगर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। उसे भर्ती कराने के बाद उन्होंने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस टक्कर मारने वाले आटो चालक की तलाश कर रही है।

## बाइक की टक्कर से युवक घायल मामला दर्ज

ऐशबाग इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने दूसरी बाइक पर जा रहे युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक भोपाल कोर्ट में नौकरी करने वाले गुलशन सेन शुक्रवार सुबह अपनी बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। सुबह करीब साढ़े दस बजे वह प्रभात चौराहा स्थित ओम अस्पताल के सामने पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गुलशन बाइक समेत गिरकर घायल हो गए। हादसे में उनकी बाइक को भी काफी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# सड़क पर लघुशंका करने वाले युवक पर केस दर्ज

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

कमला नगर पुलिस ने राज्य सायबर कार्यालय के पास मुख्य सड़क पर लघुशंका करने वाले युवक पर प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में एक युवक एक्टिवा के पास अपने दोस्त के साथ खड़ा नजर आया। वह अचानक सड़क पर डिवाइडर के पास खड़े होकर लघुशंका करने लगा। इस दौरान वहां से कार गुजर रही थी, लेकिन आरोपी को शर्म नहीं आई। पुलिस के अनुसार गौरव द्विवेदी (29) निवासी नेहरु नगर ने शिकायत करते हुए बताया कि 19 दिसंबर की रात करीब 10 बजे मैंने एक वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर देखा। उक्त वीडियो राज्य सायबर मुख्यालय भदभदा रोड के पास था। वीडियो में एक युवक नशे की हालत में नजर आया और वह सड़क पर खड़े होकर सार्वजनिक स्थान पर लघुशंका कर रहा था। वह अंग प्रदर्शन करते हुए नजर आया।

## पान की गुमठी से बिक रहा था गांजा

**भोपाल।** शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित पान की गुमठी पर मप्र नारकोटिक्स की टीम ने कार्रवाई करते हैं गांजे की खेप पकड़ी है। साईं पान सेंटर नाम से दुकान चलाने वाला राजकुमार राय लंबे समय से दुकान से ही गांजा बेच रहा था। दुकान से टीम ने 50 हजार का गांजा, गांजा पीने में इस्तेमाल होने वाले पेपर समेत कई अन्य सामग्रियां भी जब्त की हैं। आरोपी राजकुमार राय को लेकर ये भी बताया जा रहा है कि उसके खिलाफ पुराने प्रकरण भी दर्ज हैं। शाहपुरा पुलिस ने ही इस पर पहले भी आबकारी और एनडीपीएस के तहत कार्रवाई की थी।

# बच्चों के विवाद में स्कूल में घुसकर छात्र से की मारपीट, स्कूल में आग लगाने की दी धमकी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित शासकीय पीएमश्री उच्चतर माध्यमिक विध्यालय बच्चों का मामूली विवाद इस कदर बड़ा कि एक पक्ष ने स्कूल में घुसकर हंगामा कर दिया। समुदाय विशेष के पक्ष के करीब 25 से अधिक लोग स्कूल में घुस आए थे। आरोपियों ने बच्चे को धमकाया और मारपीट की। स्कूल के शिक्षकों ने हंगामा कर रहे लोगों को बाहर जाने का कहा तो वह भड़क गए और स्कूल में आग लगाने की धमकी देते हुए शिक्षकों को धमकाने लगे। पुलिस ने उक्त मामले में प्राचार्य की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ बलवा, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने और मारपीट करने की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार ऊषा नवोदी, शासकीय पीएमश्री, उच्चतर माध्यमिक विध्यालय में प्राचार्य हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर स्कूल में परीक्षा चल रही थी। इस दौरान दो बच्चों का विवाद हुआ। विवाद की जानकारी लगते ही दोपहर डेड़ बजे स्कूल में भीड़ घुस आई। पेपर चलने के कारण उन्होंने और स्कूल में मौजूद स्टाफ ने स्कूल से बाहर निकलने का कहा तो वह गदर करने लगे और गालीगलौज करते हुए झूमाझटकी और मापीट करने लगे। पुलिस ने उक्त मामले में अयान खान, मुजाहिद खान, इमरान, पप्पू समेत करीब दो दर्जन लोगों पर मामला दर्ज किया है।

**मेट्रो एंकर** अल्पना पेट्रोल पंप पर दिनदहाड़े बदमाश ने की वारदात

# महिला का मंगलसूत्र झपटा, पीछा कर पुलिस ने किया गिरफ्तार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित अल्पना पेट्रोल पंप से कुछ दूरी पर सवारी आटो की तरफ जा महिला से युवक ने मंगलसूत्र झपट लिया। मंगलसूत्र झपटने के बाद आरोपी पैदल भागने लगा। महिला के रिश्तेदार और वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को दबोचकर जमकर धुना और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लूटा गया मंगलसूत्र जब्त कर लिया है।

पुलिस के अनुसार ज्यौत्सना राजपूत पति विक्रम राजपूत (27) ललितपुर उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। वे भोपाल में रिश्तेदार की शादी में शामिल होने परिवार के साथ भोपाल आई थी। शनिवार दोपहर साढ़े12 बजे परिवार ललितपुर से भोपाल पहुंचा। रेलवे सटेशन से उतरकर वह परिवार के साथ पैदल पैदल बाहर निकली और अल्पना पेट्रोल पंप के पास सवारी आटो पकड़ने के लिए जा रही थी। इसी बीच एक युवक पैदल उनकी तरफ आया और उनके गले से मंगलसूत्र झपटकर भागने लगा था। आरोपी की पहचान अफसर खान पिता राजउद्दीन (29) मूलतः विदिशा के कुरवाई, गांव सिरावली के रूप में की गई। आरोपी हाल ही में मुरली नगर करोंद में रहता था।

## पुलिस आयुक्त कोर्ट ने 10 आदतन अपराधियों का किया जिला बदर

**भोपाल.** जिस उम्र में बच्चे अपना कॅरियर बनाने के लिए हायर एजुकेशन और कॉलेज में दिन रात मेहनत में लगे रहते हैं, उस उम्र में 19 साल के पप्पू, 22 साल के जय सिंह और शुभम को जिला बदर किया जा चुका है। यह युवा अपराध की दुनिया में इतने नीचे तक उतर गए कि प्रशासन को इनके खिलाफ जिला बदर का आदेश पारित करना पड़ा। पुलिस आयुक्त कोर्ट ने शुक्रवार को 10 आदतन अपराधियों के खिलाफ जिला बदर के आदेश पारित किए। इन सभी अपराधियों के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में हत्या, बलात्कार, मारपीट, चोरी, छेड़छाड़, शराब विक्रय और आर्स एक्ट सहित कई अन्य मामले दर्ज हैं और कोर्ट में विचाराधीन हैं।

**इन अपराधियों को जिला बदर :** विशाल राव, मल्टी इन्द्रा नगर, शाहपुरा, शुभम चौहान, मल्टी इन्द्रा नगर शाहपुरा, रोहित सांवरे उर्फ बंटी उर्फ कंट्री, पंचशील नगर, परवेज, फूटा मकबरा छोला रोड, हनुमानगंज, पप्पू उर्फ राज राठौर, रोटरी क्लब के पीछे झुग्गी, श्यामला हिल्स, मन्नू उर्फ मनोज आदि शामिल हैं।

# पुलिसकर्मियों के लिए ध्यान सत्र का आयोजन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निदेशार्नुसार सभी जिलों की पुलिस लाइनों, पुलिस प्रशिक्षण इकाइयों और विशेष सशस्त्र बल की समस्त वाहिनियों में विशेष ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा उन्हें तनाव मुक्त वातावरण प्रदान करना था। इस आयोजन में विशेषज्ञों द्वारा ध्यान और मानसिक संतुलन को बनाए रखने की विभिन्न तकनीकों पर मार्गदर्शन दिया गया। ध्यान सत्र में शामिल सभी कर्मियों ने इसे अपने कार्य क्षेत्र में उपयोगी और प्रभावशाली बताया। इस प्रकार के कार्यक्रम पुलिसकर्मियों के कार्य प्रदर्शन को बढ़ाने और उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022